Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध
ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 111 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 18 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

36 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था 6 साल बाद सिक्किम के गंगटोक पहुंचा

गंगटोक। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 36 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था छह साल बाद सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा. तीर्थयात्री सिक्किम में नाथू ला दर्रे और तिब्बत के शिगात्से शहर से होते हुए कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचेंगे. एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि 20 जून को तीर्थयात्री भारत-चीन सीमा पार करेंगे. उन्होंने कहा कि समूह, जिसमें विदेश मंत्रालय के दो अधिकारी भी शामिल हैं, रविवार शाम को गंगटोक पहुंचा. पर्यटन और नागरिक उड्डयन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सी एस राव ने कहा कि तीर्थयात्री पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में बागडोगरा हवाई अड्डे पर उतरे और सड़क मार्ग से गंगटोक पहुंचे.

हरियाणा की मॉडल सिम्मी चौधरी का मर्डर, सोनीपत के नहर में मिली लाश

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव खांडा से गुजर रही रिलायंस नहर में एक युवती का शव बहता हुआ मिला. युवती के शव को जब बाहर निकाला गया तो युवती की हत्या गला रेतकर की गई थी और युवती की पहचान पानीपत के खलीला माजरा गांव की शीतल उर्फ सिम्मी चौधरी के तौर पर हुई है. सिम्मी चौधरी हरियाणवी म्यूजिक इंडस्ट्री में मॉडल के तौर पर काम करती थी. डेड बॉडी बरामद हो जाने के बाद उसके परिजनों और पानीपत पुलिस को इसकी सूचना दे दी गई है और पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है सोनीपत के गांव खांडा से गुजरने वाली रिलायंस नहर में एक युवती का शव पुलिस को बरामद हुआ था जिसकी पहचान हरियाणवीं एल्बम में मॉडल के तौर पर काम करने वाली शीतल उर्फ सिम्मी चौधरी के तौर पर हुई.

कोलकाता के खिदिरपुर बाजार में लगी भीषण आग

कोलकाता। कोलकाता के खिदिरपुर इलाके में देर रात आग लगने से अफरातफरी मच गई. इसके बाद सूचना दमकल विभाग को दी गई. सूचना मिलने के बाद एक-एक कर 20 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं. सुबह तक आग जलती रही. दशकों पुराने इस बाजार में आग लगने से कई दुकानों को नुकसान पहुंचा. व्यापारियों का कहना है कि आग में करोड़ों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गयी. आग लगने की सूचना पर दमकल मंत्री सुजीत बसु, कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी घटनास्थल पर पहुंचे.

ट्रंप के बाद ईरान-इजरायल जंग में चीन के एंट्री

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ रहा संघर्ष,हेडक्वार्टर्स पर हमला

नई दिल्ली। एजेंसी

ईरान और इजरायल में बीते पांच दिनों से संघर्ष जारी है। 13 जून 2025 को शुरू हुए इस संघर्ष में दोनों देशों ने एक-दूसरे पर जमकर हमले किए हैं। इस बीच सोमवार रात जब इजरायल में हवाई हमले के सायरन बजने लगे और तेहरान के आसमान में विस्फोटों की आवाजें गूंजने लगीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन के बीच में ही अमेरिका लौट आए और अपने नागरिकों को तुरंत तेहरान छोड़ने की चेतावनी दी। आइए जानते हैं ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष में अब तक क्या-क्या हुआ? ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने तेहरान में इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद की ड्रोन बनाने वाली फैक्ट्री को ध्वस्त करने का दावा किया है। जानकारी के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने तेहरान और अल्बोरज प्रांतों में अलग-अलग ऑपरेशनों में इजरायली मोसाद खुफिया एजेंसी के लिए काम करने के आरोप में दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया है। ऑपरेटरों से 200 किलोग्राम से ज्यादा विस्फोटक, 23 ड्रोन के पुर्जे, लॉन्चर और अन्य तकनीकी उपकरण जब्त किए गए। इजरायली रक्षा बलों ने मध्य तेहरान पर लक्षित हवाई हमले में ईरान के नवनियुक्त युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ अली शादमानी को मार गिराने की पुष्टि की है। आईडीएफ ने कहा कि रात भर चले इस संघर्ष में इजरायली

वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने एक सेंटर पर हमला किया, जिसमें शादमानी की मौत हो गई। शादमानी ने कुछ दिन पहले ही गुलाम अली राशिद की जगह पद संभाला था, जो इजरायली हमले में मारा गया था। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि ईरान ने मंगलवार की सुबह इजरायल पर कई मिसाइलों से हमला किया। उत्तरी इजरायल में हवाई हमले के सायरन बजने लगे और लोगों को सुरक्षित जगहों पर शरण लेने का आदेश दिया गया। जबकि आईडीएफ की रक्षा प्रणालियों ने कई मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हम अमेरिकी हितों की रक्षा करेंगे। ट्रंप ने अपने नागरिकों से जल्द से जल्द तेहरान छोड़ने की अपील की। अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर दोहराया कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। ट्रंप ने संकेत दिया कि अमेरिका हाई अलर्ट पर रहेगा। ईरान-इजरायल संघर्ष का असर कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन में भी देखने को मिला। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने तनाव कम करने के लिए संयुक्त वक्तव्य का समर्थन करने से इनकार कर दिया।

तेहरान से भारतीय छात्रों की वापसी...

ईरान में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए तेहरान स्थित भारतीय दूतावास पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मंगलवार को पुष्टि की कि भारतीय दूतावास द्वारा व्यवस्था किए जाने के साथ ही सुरक्षा कारणों से तेहरान में फंसे भारतीय छात्रों को शहर से सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कुछ भारतीय नागरिकों को आर्मेनिया की सीमा के माध्यम से ईरान छोड़ने में सहायता की गई है। ईरान का जवाबी हमला और भी उग्र हो गया है। इस्लामिक रिपब्लिक ने रात भर में 100 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिससे शुक्रवार से अब तक दागी गई मिसाइलों की कुल संख्या 370 से अधिक हो गई है। ईरानी अधिकारियों ने देश के मुख्य उत्पादन केंद्र, साउथ पारस गैस कॉम्प्लेक्स पर तीन ड्रोन हमलों की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि ये हमले सीधे तौर पर इजरायली हवाई हमलों का बदला लेने के लिए किए गए थे, जिसमें अब तक ईरान में कम से कम 224 लोग मारे गए हैं।

ब्लॉक पूरी तरह एकजुट

जो लोग छोड़ना चाहते हैं वे स्वतंत्र हैं-अखिलेश...

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि इंडिया ब्लॉक पूरी तरह एकजुट है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी बीजेपी के खिलाफ ' इंडिया ब्लॉक' के एकजुट ढांचे के भीतर ही चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद यह गठबंधन अभी भी मजबूत है और विधानसभा चुनाव में इसके ज़रिये ही मुकाबला होगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन बरकरार है... जो लोग गठबंधन छोड़ना चाहते हैं, वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यह 2027 यूपी विधानसभा चुनाव लड़ेगा।अखिलेश यादव ने कहा कि कई राजनैतिक दल

जो कुछ दिन पहले स्वदेशी नारा देते थे, उन्होंने हमारे बाज़ार को विदेशियों से कब्जा करा दिया। इससे पहले रविवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में अराजकता और प्रशासनिक अव्यवस्था का बोलबाला है।

नशा तस्करों के साथ गठजोड़ में पांच दवा कंपनियों के उत्तराखंड समेत छह राज्यों में जांच

यूपी-महाराष्ट्र और उत्तराखंड समेत 15 ठिकानों पर ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी,5 दवा कंपनियों पर शिकंजा..

देहरादून। ड्रग तस्करों के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने नशा तस्करों के साथ गठजोड़ पर उत्तराखंड में 05 फार्मा कंपनियों बायोजेनेटिक ड्रग्स प्रा. लि., सीबी हेल्थकेयर, सीमिलेक्स फार्माकेम ड्रग्स इंडस्ट्रीज, सोल हेल्थ केयर (आइ) प्रा. लि. और एस्टर फार्मा) के ऋषिकेश, हरिद्वार और काशीपुर के ठिकानों पर जांच की। देर रात तक जारी कार्रवाई में फार्मा कंपनियों में दवा बिक्री, सप्लायर, स्टाक, ट्रांजेक्शन आदि की जांच की जा रही थी। नशा तस्करों और फार्मा कंपनियों के गठजोड़ के विरुद्ध ईडी की यह कार्रवाई उत्तराखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में एक साथ 15 ठिकानों पर की गई। ईडी सूत्रों के अनुसार ईडी ने यह कार्रवाई एसटीएफकी ओर से बीते वर्ष दर्ज एफआइआर के आधार पर की गई। एफआइआर के आधार पर ईडी ने जांच में पाया कि फार्मा कंपनियों के साथ गठजोड़ कर नशा तस्करों ने कई दवाओं की आपूर्ति नशे के रूप में प्रयोग के लिए की है। इसके अलावा दवा निर्माण के लिए कच्चे माल की खरीद का परीक्षण भी किया गया।

इस आपराधिक गठजोड़ ने नशा तस्करों ने कई सौ करोड़ों रुपए बनाए हैं। जिसे सीधे तौर पर मनी लांड्रिंग के रूप में माना गया। फार्मा और नशा तस्करों के गठजोड़ पर की जा रही कार्रवाई में ईडी की एंट्री के बाद फार्मा सेक्टर में हड़कंप की स्थिति है। माना जा रहा है कि ईडी बड़े स्तर पर आरोपितों की संपत्ति अटैच कर सकती है। ईडी सूत्रों के अनुसार नशे में प्रयुक्त की जाने वाली प्रतिबंधित श्रेणी की दवाओं की खेप नशा तस्करों तक पहुंचने के मामले में ड्रग पैडलर एलेक्स पालीवाल की पूर्व में गिरफ्तारी की जा चुकी है। एलेक्स के माध्यम से यह पता चला कि जांच के दायरे में ली गई फार्मा कंपनियों ने प्रतिबंधित श्रेणी की दवाओं का असामान्य उत्पादन किया है। एक दवा तो ऐसी पाई गई, जिसका कुछ ही माह में 20 करोड़ से अधिक टैबलेट का उत्पादन किया गया।

धन शोधन मामले में

ईडी के सामने पेश फिर नहीं हुए वाड्रा, होनी थी पूछताछा

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के व्यवसायी पति रॉबर्ट वाड्रा ब्रिटेन स्थित हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष दूसरी बार पेश नहीं हुए। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 10 जून को पेश नहीं होने के बाद उन्हें मंगलवार (17 जून) को पेश होने के लिए कहा गया था। वाड्रा के करीबी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने इस सप्ताह के लिए यूएई और ब्रिटेन की अपनी यात्रा योजना एजेंसी को पहले ही

बता दी है और भारत वापस आने के बाद वह जांच में शामिल होंगे। उन्होंने 10 जून को जारी समन को यह कहते हुए टाल दिया कि 9 जून को उन्हें फ्लू जैसे लक्षण थे और उन्होंने प्रोटोकॉल के अनुसार कोविड टेस्ट कराया था। उसके बाद उनके वकील ने कहा था कि वाड्रा का समन से बचने का कोई इरादा नहीं है और वह इस महीने के अंत में विदेश यात्रा से पहले या बाद में कभी भी ईडी के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं। समझा जाता है कि एजेंसी वाड्रा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज करने और उसके बाद मामले में आरोप पत्र दाखिल करने के लिए बुला रही है। संघीय जांच एजेंसी ने हरियाणा में 2008 के एक भूमि सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक अलग धन शोधन मामले में अप्रैल में लगातार तीन दिनों तक व्यवसायी से पूछताछ की थी।

सर गंगाराम गंगाराम में भर्ती पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया की हालत स्थिर

नई दिल्ली। सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर है. अस्पताल के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि सोनिया गांधी की स्वास्थ्य स्थिति पर डॉक्टरों की टीम निगरानी कर रही है. इससे पहले अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण रविवार रात को उन्हें सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया था. उन्हें पेट संबंधित परेशानी है. गैस्ट्रोइंटेरोलाजी सर्जरी के विशेषज्ञ डॉ. समीरन नंदी की देखरेख में उनका इलाज शुरू हुआ था. अस्पताल प्रशासन की तरफ से यह जानकारी दी गई थी । कि उन्हें विगत दिनों रात 9:10 बजे अस्पताल अस्पताल लाया गया था.

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर बड़ी बैठक

सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी सरकार-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता...

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारी के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। रेखा गुप्ता ने बैठक के बाद कहा कि कांवड़ लेकर दिल्ली आने वाले लाखों शिवभक्तों पर सरकार विशेष ध्यान देगी। उन्हें सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। पिछली सरकारों के समय में सहायता और व्यवस्थाओं में जो अनियमितताएं होती थीं, उन्हें दूर करने की दिशा में सरकार काम करेगी। सरकार सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी।

कांवड़ शिविर जुलाई से शुरू होंगे और शिवरात्रि तक चलेंगे। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली में कांवड़ यात्रा में लाखों लोग हिस्सा लेते हैं और मुख्यमंत्री ने फैसला किया है कि कांवड़ियों की सेवा के लिए विशेष तैयारियां की जाएंगी और दिल्ली में भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी और उन्हीं विशेष व्यवस्थाओं के लिए यह बैठक बुलाई गई थी। मुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री कांवड़ सेवा समिति के सभी आयोजकों के साथ बैठे हैं, दिल्ली में भव्य और सुंदर कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी और हम सभी हर कांवड़िए की सेवा के लिए तैयार हैं। इससे पहले रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी को स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में देश में सर्वश्रेष्ठ बनाना चाहती है।

एअर इंडिया की कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मंगलवार को रद्द कर दी गई

शिलांग। एअर इंडिया की कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मंगलवार को रद्द कर दी गई हैं। इनमें ज्यादातर बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर उड़ानें हैं। यह फैसला उस समय किया गया है, जब 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास से टकरा गया था। इस हादसे में 241 यात्रियों और चालक दल की मौत हो गई थी। एअर इंडिया ने कहा कि अहमदाबाद से लंदन के गेटविक वाई अड्डे के लिए उसकी उड़ान रद्द कर दी गई है। एयरलाइन की ओर से इसके पीछे कारण विमान की अनुपलब्धता, हवाई क्षेत्र में पाबंदियां और अतिरिक्त सावधानी से की जा रही जांच बताई गई। एयरलाइन ने यह भी स्पष्ट किया कि यह फैसला

किसी तकनीकी खराबी की वजह से नहीं लिया गया। एअर इंडिया ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया और कहा कि उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं। होटल की व्यवस्था की गई है और यात्रियों को रिफंड या मुफ्त में फिर से बुकिंग का विकल्प भी दिया गया है। दिल्ली से पेरिस जा रही एअर इंडिया की एआई143 उड़ान भी मंगलवार को रद्द कर दी गई। उड़ान से पहले की जांच में एक तकनीकी समस्या का पता चला, जिसे अभी ठीक किया जा रहा है। इसके साथ-साथ पेरिस से दिल्ली लौटने वाली उड़ान एआई142 को भी आज रद्द कर दिया गया है। एअर इंडिया ने कहा, हम अपने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं और उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हर संभव वैकल्पिक इंतजाम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ की टेलीफोन डायरेक्टरी का किया विमोचन

पिथौरा (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री निवास में श्रमजीवी पत्रकार संघ की डायरेक्टरी का विमोचन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया । इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ को बधाई देते हुए टेलीफोन डायरेक्टरी को आमजनों के लिए बेहद उपयोगी बताया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ अध्यक्ष अरविंद अवस्थी,प्रदेश महासचिव विश्व दीपक राय, प्रदेश संयोजक राजेश मिश्रा, प्रदेश सचिव मनोज मिश्रा, जिला अध्यक्ष महासमुन्द स्वप्निल तिवारी, जांजगीर से देवेन्द्र यादव, कोरबा जिलाध्यक्ष शशिकांत डिक्सेना दुर्ग संभाग अध्यक्ष से छगन साहू सहित छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे। यह जानकारी महासमुन्द जिला अध्यक्ष स्वप्निल तिवारी ने दी।

आधार केन्द्र संचालन हेतु आधार संचालक, ऑपरेटर पद के लिए 27 जून तक आवेदन आमंत्रित

महासमुन्द (समय दर्शन)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, चिप्स, स्टेट डाटा सेंटर भवन, सिविल लाईन, रायपुर छ.ग. के निर्देशानुसार जिला महासमुंद के 24 शासकीय कार्यालयों में इन हाउस मॉडल के अनुसार आधार केन्द्र संचालन हेतु 26 आधार संचालक/ऑपरेटर का चयन किया जाना है। जिस हेतु आवेदन पत्र केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से 27 जून 2025 अपरान्ह 05.00 बजे तक कार्यालय कलेक्टर, जिला महासमुंद में आमंत्रित किया गया है। विस्तृत विज्ञापन एवं आवेदन प्रारूप जिले की अधिकृत वेबसाइट में अवलोकन कर सकते हैं।

शासकीय प्राथमिक शाला कोकड़ी में भव्य प्रवेश उत्सव एवं न्योताभोज आयोजन

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। शासकीय प्राथमिक शाला कोकड़ी, संकुल सेमरिया वि ख धमधा दुर्ग में 16.06.2025 को शाला प्रवेश उत्सव हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया, इस अवसर पर सरपंच ग्राम पंचायत पेंड्रीतराई ,श्रीमती दीपा महिलांग,उपसरपंच श्री विजय बघेल, वरिष्ठ नागरिक श्री ओनी महिलांग,एस,एम,सी,अध्यक्ष श्रीमती नोमिन डहरिया ,संकुल समन्यवक श्री सूर्यकान्त हरदेल , गण मान्य नागरिक, पंच गण,की गरिमामय उपस्थिति में बच्चो का शाला प्रवेश गुलाल लगाकर मिठाई खिलाकर दो सेट गणवेश सभी उपस्थित बच्चो को दिया गया,नव प्रवेशी बच्चो का हाथ का पंजा छपाया गया एव अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की पूजा अर्चना किया गया एवं अतिथियों का गुलाल लगाकर शाला परिवार द्वारा स्वागत अभिनन्दन किया गया ! उपसरपंच श्री विजय बघेल जी द्वारा सभी बच्चो को न्योताभोज दिया गया,प्रधानमंत्री सुपोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत अतिरिक्त पोषण के लिए फल खिलाकर न्योता भोज दिया गया। श्री विजय बघेल ने छात्रों को शुभकामनाए देते हुए ,मन लगाकर पढ़ने ,शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया ,साथ ही बच्चो को नियमित शाला आने के लिए कहा,शत प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्रों को पुरुष्कृत करने की घोषणा किए।अतिथियों द्वारा छात्रों को नियमित स्कूल आने, मन लगाकर पढ़ने,और अपने सपनो को साकार करने के लिए सफलता प्राप्ति हेतु कड़ी मेहनत करने,माता पिता गुरुजनों का आदर करने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर , प्रधान पाठक श्री खिलेंद्र कुमार बघेल, सहायक शिक्षक श्री सूर्यप्रकाश सोनकडे , ईश्वर डहरिया,प्रमोद निषाद, सत्यभामा, पूजा, लोकेश्वरी, रामेश्वरी, मोंगरा,कीर्तन ,की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन प्रधान पाठक श्री बघेल सर,आभार सूर्यप्रकाश सोनकंडे ने किया।

मेहनत और संकल्प से ही मिलती है सफलता–डॉ.सम्पत अग्रवाल

- विधायक ने नीट अभ्यर्थियों को प्रेरित किया,कहा–हर संघर्ष की अपनी रोशनी होती है
- विधायक अग्रवाल ने छात्रों की सफलता पर जताया गर्व,कहा–मेहनत रंग लाई और सपने हुए सच

रायपुर (समय दर्शन)। श्री नारायण हॉस्पिटल के सामने सेक्टर 5, देवेंद्र नगर में सर्वश्रेष्ठ इंस्टीट्यूट मे आयोजित नीट अभ्यर्थियों का विजय उत्सव में बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दीप प्रज्वलन कर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने अभ्यर्थियों को प्रेरक संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल उनकी मेहनत का फल नहीं है, बल्कि माता–पिता, शिक्षक और संस्थानों के समर्पण का भी परिणाम है।

अपने उद्बोधन में विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा, नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त करना केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, धैर्य और कठिन परिश्रम की जीत है। इन छात्रों ने अपनी लगन से यह साबित किया है कि सही मार्गदर्शन और अथक प्रयासों से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि मेडिकल क्षेत्र में कदम रखना केवल एक

पेशा नहीं, बल्कि समाज सेवा का एक सशक्त माध्यम भी है। डॉक्टर बनने की यात्रा कठिन जरूर है, लेकिन इससे समाज को नई दिशा मिलती है। मुझे गर्व है कि आज यहां उपस्थित विद्यार्थियों ने इस जिम्मेदारी को अपनाने का पहला कदम सफलता के साथ पूरा किया है। विधायक डॉ अग्रवाल ने देवेंद्र नगर रायपुर के सर्वश्रेष्ठ कोचिंग सेंटर में जाकर छात्रों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उन्हें भविष्य की तैयारी के लिए सुझाव दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे कभी भी अपने लक्ष्य से न भटकें और निरंतर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें।

अंत में उन्होंने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आपके समर्पण और आत्मविश्वास ने आज इस मुकाम तक पहुँचाया है। यह केवल शुरुआत है ,आगे और भी ऊँचाइयों को छूने का संकल्प लें। हम सब आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

सर्वश्रेष्ठ इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर अंकित गोयल ने विधायक डॉ संपत अग्रवाल का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपना अमूल्य समय निकालकर हमारे सर्वश्रेष्ठ इंस्टिट्यूट में पधारकर हमारे विद्यार्थियों से मुलाकात की,उन्हें प्रेरणादायक शब्दों से उत्साहित किया और सफलता की शुभकामनाएँ दीं।

अंकित गोयल ने बताया कि विधायक ने मेडल पहनाकर अभ्यर्थियों को संदेश दिया और कहा कि कोई भी लक्ष्य छोटा नहीं होता, और कोई भी मंज़िल असंभव नहीं होती यदि संकल्प सच्चा हो।यह पल न केवल हमारे छात्रों के लिए गर्व का विषय था, बल्कि हमारे पूरे संस्थान के लिए भी एक ऐतिहासिक क्षण बन गया।

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और अभिभावकों ने विधायक डॉ संपत अग्रवाल के प्रेरणादायी शब्दों को सराहा और कहा कि यह संदेश उन्हें नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

शाला प्रवेशोत्सव प्रतिवेदन 2025–26 का आगाज

पिथौरा (समय दर्शन)। शाला प्रवेशोत्सव सत्र दिनांक 16/06/2025 को शाला प्रांगण मोहगांव में शासकीय हाई स्कूल, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव में नव प्रवेशी बच्चो का नामांकन दर्ज कर शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में तीनो संस्था के शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष एवं सदस्यगण उपस्थित हुए।

साथ ही पालकगण भी प्रवेश उत्सव में शामिल हुए।

रोहित प्रधान, बलदेव बारीक, गोकुल प्रधान, प्रवीण प्रवाह द्वारा नव प्रवेशी छात्र/छात्राओं को थिलक लगाकर एवं गणवेश वितरण करके शाला में स्वागत किया गया।

संस्था के प्राचार्य जगदीश कुमार द्वारा बच्चो को पढ़ाई करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। साथ ही संकुल समन्वयक अजय कश्यप द्वारा नि:शुल्क शिक्षा एवं शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। प्राथमिक शाला प्रधान पाठक भोजराज प्रधान द्वारा शाला में होने वाले विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया गया । पूर्व माध्य. प्रधान पाठक रविलाल प्रधान द्वारा छात्रवृत्ति संबंधी जानकारी हेतु पालको एवं शाला प्रबंधन समिति सदस्यो के साथ चर्चा किया गया। शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर युक्तियुक्तकरण से शाला मे आये शिक्षक विजय कुमार नाग एवं श्रीमती निलीमा साई का परिचय व स्वागत किया गया।

बच्चों से स्कूल में झाड़ू लगवाते फोटो, विडियो वायरल होते ही शिक्षा विभाग की उड़ी नींद

- जिला शिक्षा अधिकारी ने जाँच कराने की बात कही

महासमुंद (समय दर्शन)। 16जून से प्रदेश मे शिक्षा सत्र की शुरुवात हो गया है। सभी स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव मनाया जा रहा है। वहीं जिले के बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत तिलईदादर स्कूल मे विद्यालयीन बच्चों से झाड़ू लगवाने का मामला तूल पकड़ रहा है। जो सोशल मीडिया मे वायरल होने से शिक्षा विभाग की किरकिरी हो रही है। वायरल फोटो विडियों मे साफतौर से देखा जा सकता है कि बच्चे स्कूल में झाड़ू लगा रहे है। दरअसल ये विडियो शासकीय प्राथमिक शाला भिलाईदादुर ब्लाक बागबाहरा का है। जहां बच्चों से स्कूल परिसर साफ कराया जा रहा है। इस संदर्भ मे स्कूल के सहायक शिक्षक का कहना है कि बच्चों से सफाई नही कराया गया है, बल्कि सहयोग लिया गया है।

शिक्षक व विभाग कुछ भी सफाई दें पर सच्चाई छुप नहीं सकती ,,– इस मामले मे जिला शिक्षा अधिकारी का कहना है कि जांच कराया

जायेगा,, सही पाये जाने पर उचित कार्यवाही की जायेगी । गौरतलब है कि जहां एक तरफ शाला प्रवेश उत्सव मनाया जा रहा है। दूसरे तरफ विद्यालयीन बच्चों से काम भी लिया जा रहा है। ऐसे विडियो, फोटो के वायरल होने से शिक्षा विभाग के कई पोल खुल रहे हैं,स्कूल की यह घटना यहाँ कई सवाल खड़े करता है।

काव्य संग्रह 'सपनों के स्वर' का, विमोचन, हिन्दी साहित्य समिति पाटन की मंच पर जुटे साहित्यकार

पाटन (समय दर्शन)। मंच पर अगर नाटक दृश्य माध्यम है तो संगोष्ठी श्रव्य माध्यम, लेकिन कविता अपने लय के कारण दृश्य के साथ श्रव्य माध्यम भी है और साहित्य जगत की सर्वाधिक कठिन विधा भी। 85 वर्ष की आयु में भी शिवकुमार यादव कविता लेखन को लेकर उतने उत्साही, सक्रिय और जुनूनी है, जितने युवावस्था में रहे होंगे। यादव के काव्य संग्रह 'सपनों के स्वर' के विमोचन समारोह में इस आशय के विचार महाराष्ट्र मंडल के वरिष्ठ सभासद व 86 वर्षीय रंगसाधक अनिल श्रीराम कालेले ने कहे। इस मौके पर उन्होंने वरिष्ठ साहित्यकार व कवि शिवकुमार यादव को शाल- श्रीफल और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

हिंदी साहित्य समिति के उद्भव से लेकर अब तक सक्रिय रहे कवि भूषण पटेल भी इस अवसर पर शाल- श्रीफल और प्रतीक चिह्न से सम्मानित किए गए।

शिव कुमार ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पाटन मेरे लिए एक शब्द नहीं, सपना है। मेरे काव्य संग्रह 'सपनों के स्वर' को स्वर पाटन की पृष्ठभूमि ने ही दिया है। पाटन में रहकर मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। यहां के हवा- पानी में जादू हैज अपनेपन का जादू। पाटन निवास के दरमियान पत्रिका 'अरुणिमा' के प्रकाशन ने मुझे संबल दिया, जिसकी बदौलत मेरी प्रथम कृति 'अनुभूतियों के पंख' का सृजन हुआ। पाटन की यशस्वी भूमि में दूसरा काव्य संग्रह

'सपनों के स्वर' का विमोचन हो रहा है। यह मेरे जीवन का अविस्मरणीय पल हैं।

हिंदी साहित्य समिति पाटन के अध्यक्ष हेमंत देवांगन ने कवि शिवकुमार यादव की जीवन यात्रा और पाटन को उसकी उपादेयता पर प्रकाश डाला और स्पष्ट किया की सन 1965 से 67 तक शिवकुमार के आगमन से पाटन में क्या-क्या शैक्षणिक, सांस्कृतिक परिवर्तन हुए। हेमंत ने 'सपनों के स्वर' की पंक्तियों का पठन कर उसकी समीक्षा भी की।

विशेष अतिथि प्रसन्न निमोणकर ने भी 'सपनों के स्वर' की विविधता लिए हुए चुनिंदा कविताओं का पाठ किया। स्वामी आत्मानंद सभागार पाटन में आयोजित कार्यक्रम को व्यंग्यकार विनोद साव ने संबोधित किया।

महाराष्ट्र मंडल के सचेतक रविंद्र ठेंगड़ी ने स्वरचित कविताओं का पाठ कर तालियां बटोरीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता योगेश निक्की भाले ने की।

कार्यक्रम का संयोजन हेमंत देवांगन ने किया। मंच का संचालन योगेश शर्मा व भास्कर सावर्णी ने और आभार प्रदर्शन सतीश जायसवाल ने किया।

इस मौके पर बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी श्रोता उपस्थित रहे।जिसमें प्रमुख रूप से हिंदी साहित्य समिति के सचिव भास्कर सवर्णो,गंगा दिन साहु,कमलेश मिश्रा,कृष्ण कुमार तिवारी,सतीश जायसवाल, श्रीमती पूर्णिमा देवांगन, श्रीमती रत्ना देवांगन,दुर्ग से प्रमोद यादव,सुरेश यादव,हिमांशु दत्ता,भूषण पटेल,हीरा सिंह वर्मा,गरीबदास साहू,शेख मजीद शेख , बी. एल.सिन्हा, बिसेलाल वर्मा,हेमनाथ कश्यप,रमेश ताम्रकार,संतराम कुंभकार,किशन लाल वर्मा,राकेश देवांगन के अलावा अन्य उपस्थित रहे

रायपुर नाका मुक्तिधाम में चल रहे उन्नयन व सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण करने महापौर टीम के साथ पहुँची

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 60 रायपुर नाका में स्थिति मुक्तिधाम का निरीक्षण महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने वार्ड पार्षद सहित लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर के साथ मौके पर उपस्थित ठेकेदार को जल्द ही कार्यो को पूरा करने को कहा गया।उन्होंने कहा कि मुक्तिधाम क्षेत्र स्थल पर बाउंड्रीवाल के किनारे-किनारे चारो तरफ छायादार पौधे रोपण करने के निर्देश दिए।साथ ही मुक्तिधाम में बेहतर साफ सफ़ाई करने,गाजर घास को काटने के लिए भी निर्देश दिए गए।इस दौरान प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, देवनारायण तांडी,अरुण सिंह,शिवेंद्र परिहार,रंजिता पाटिल,निखिल खिचारिया, सहायक अभियंता संजय ठाकुर,उपअभियंता पंकज साहू के अलावा ठेकेदार उपस्थित रहे। रायपुर नाका मुक्तिधाम में चल रहे उन्नयन व सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण करने महापौर श्रीमती अलका बाघमार टीम के साथ पहुँची।उन्होंने प्रतीक्षा शेड व दाह संस्कार के लिए शेड मरम्मत का निर्माण किया जाना है, यह कार्य प्रगति पर हैं। इस कार्य के लिए 24 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी तरह मुक्तिधाम के भीतर शेड, नल कनेक्शन, पुराने मंच की रिपेयरिंग करते हुए चारों ओर छायादार वृक्ष लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुक्तिधाम में आने वाले शोकाकुल परिवारों के नहाने के लिए उचित व्यवस्था करते हुए स्नान स्थल, पीने की पानी की व्यवस्था, पाइप लाइन व्यवस्था, भवन मरम्मत सहित किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है।जन संपर्क विभाग/राजू बक्शी

कलेक्टर लंगेह के निर्देश पर रेत के अवैध भंडारण पर ग्राम बरबसपुर में बड़ी कार्रवाई

43 निजी भू स्वामियों से 54 लाख रुपए अर्थदण्ड अधिरोपित, शासकीय भूमि में 14 स्थानों पर अवैध रेत भंडारित करने पर एक करोड़ 64 लाख रुपए अधिरोपित

खनिज विभाग द्वारा की गई जप्ती की कार्रवाई

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले मे बीये दिन 17 जून को रेत खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार खजिन विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है।

संयुक्त टीम द्वारा 15 जून को महासमुंद विकासखण्ड अंतग्रत ग्राम बरबसपुर में अवैध रेत भण्डारण का ग्राम सरपंच, कोटवार एवं ग्रामवासियों के समक्ष जप्ती की कार्रवाई किया गया। इस दौरान ग्राम बरबसपुर में 43 भू स्वामियों के निजी भूमि एवं 14 शासकीय भूमि

में अवैध रूप से रेत का भंडारण किया जाना पाया गया। जिसमें 5401250 रुपए भूस्वामियों से एवं 16425000 रुपए शासकीय भूमि में अवैध रेत भण्डारण से अर्थदण्ड की राशि अधिरोपित किया गया है।

खनिज अधिकारी श्री योगेन्द्र सिंह ने बताया कि जिले में रेत के अवैध भण्डारण, उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में ग्राम बरबसपुर में अवैध रेत भण्डारण की सूचना मिलने पर छापामार कार्रवाई

की गई। जिसमें निजी भूमि स्वामी अशोक, अमित चंद्राकर, रामाधार एवं महेन्द्र प्रताप सोनवानी को 600 घनमीटर अवैध रेत भंडारण पर अर्थदण्ड 02-02 लाख रूपए अधिरोपित किया गया। इसी तरह ग्राम के अन्य भू स्वामियों बलीराम निषाद एवं धनेश चंद्राकर को 500 घनमीटर भंडारण पर 1.75-1.75 लाख, गणेशिया, राकेश निषाद, संतोष को 800 घनमीटर भण्डारण पर 2.50-2.50 लाख, महेन्द्र प्रताप, लखन, मनोहर, दशरथ, गंगाबाई, हरीशचंद्र, रेणु को 100 घनमीटर भण्डार पर 75-75 हजार, गंगाबाई, बिसेनाथ, फूलसिंग, उत्तम, जगतपाल, जगत, मनोहर, संतराम, नवीन, जगतपाल को 300 घनमीटर भंडारण पर 1.25-1.25 लाख, मोहन एवं मेहतरीन को 150 घनमीटर भंडारण पर प्रत्येक से 87 हजार 500 रुपए, संतराम, प्रहलाद, माखन, राजेन्द्र, अनिल, धनंजय, पंचबाई, दयालू, महेन्द्र प्रताप, दयालू, जगमोहन, फूलसिंग को 200 घनमीटर भंडारण हेतु एक-एक लाख, बाबूलाल, शत्रुघन को 400 घनमीटर भंडारण पर 1.50-1.50 लाख रुपए, अरूण को 50 घनमीटर के लिए 51 हजार 250 रुपए का अर्थदण्ड/समझौता राशि अधिरोपित किया गया है। इस तरह निजी जमीन से कुल 43 भूस्वामियों से 13 हजार 50 घनमीटर के लिए कुल 54 लाख एक हजार 250 रुपए अधिरोपित किया गया है। इसके अलावा शासकीय भूमि के 14 अलग-अलग खसरा नम्बर पर 62 हजार घनमीटर अवैध रेत का भण्डारण पाया गया जिससे एक करोड़ 64 लाख 25 हजार रुपए की राशि अधिरोपित किया गया है। उपरोक्त सभी रेत भण्डारण की मात्रा को बिना वैद्य दस्तावेज के पाए जाने पर आगामी आदेश पर्यंत तक जप्त किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

5 लाख बयाना लेकर जमीन दूसरे को बेचा, ठगी का मामला दर्ज

रायपुर (समय दर्शन)। जमीन एवं मकान बिक्री करने का सौदा तय कर 5 लाख की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने दंपति के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मोहम्मद आसीफ मेमन 50 वर्ष बैजनाथपारा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी राजेश तायवाड़े और उसकी पत्नी उमा लोखण्डे ने प्रार्थी को बैजनाथपारा स्थित जमीन व मकान को बेचने के लिए सौदा तय कर 5 लाख रुपए ब्याना ले लिया और मकान की रजिस्ट्री कर दूसरे को बेच दिया। जब प्रार्थी को इस बात की जानकारी हुई तो उसने इसकी शिकायत कोतवाली थाना में की। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

रिक्शा सवार अधेड़ के बैग से नकदी पार

रायपुर (समय दर्शन)। ईरिक्शा में सवार अज्ञात दो महिला ने अधेड़ के बैग से नकदी 60 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आरीफ खान 55 वर्ष नवदुर्गा चौक बलौदाबाजार का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह ईरिक्शा में सवार होकर कहीं जा रहा था, तभी आनंद नगर ढाल से जयस्तंभ चौक के मध्य रिक्शा में सवार अज्ञात दो महिला ने प्रार्थी के बैग से 60 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोलबाजार पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ऑफिस से 24 नग बैटरी पार

रायपुर (समय दर्शन)। ग्राम छतौद स्थित इंडस टावर प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिस से अज्ञात चोर ने 24 नग बैटरी पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हैदर अंसारी 25 वर्ष मोहभट्टा नेवरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके इंडस टावर प्राइवेट लिमिटेड ऑफिस से 24 नग बैटरी पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 60 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलापु अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सैमसंग आरएंडडी नोएडा और आईआईटी मद्रास में समझौता : भारतीय भाषाओं के लिए एआई, हेल्थटेक और जनरेटिव एआई पर होगा संयुक्त शोध

गुरुग्राम: सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा (SRI-N) ने इंडस्ट्री और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को और मजबूत करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी, मद्रास) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देना, तकनीकी विकास को गति देना और भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं को तैयार करना है। यह सहयोग भारतीय भाषाओं के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक और जनरेटिव एआई जैसे उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। यह कदम 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' के विज़न के अनुरूप, एक मजबूत नवाचार प्रणाली के निर्माण में सैमसंग की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस पांच वर्षीय समझौता ज्ञापन पर सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्यांगयून रू और आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कमकोटी ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत प्रायोजित शोध परियोजनाएं, परामर्श कार्य, तकनीक हस्तांतरण, प्रशिक्षण, अधोसंरचना विकास और भविष्य में छात्रों के लिए फैलोशिप जैसी कई साझेदार गतिविधियां शुरू की जाएंगी। सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा के मैनेजिंग डायरेक्टर क्यांगयून रू ने कहा, सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा में हम ऐसी तकनीकों पर काम कर रहे हैं जो लोगों और समाज को सशक्त बनाएं। आईआईटी मद्रास के साथ यह साझेदारी हमारे लिए एक अहम कदम है, जिससे हम मिलकर ऐसे समाधान तैयार कर सकें जो सार्थक हों, समावेशी हों और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हों। हम भारतीय भाषाओं के साथ गैलेक्सीट एआई इकोसिस्टम को और मजबूत बनाना चाहते हैं, ताकि देशभर में भाषा की बाधाएं कम की जा सकें। इसके साथ ही, हम नई तकनीकों के विकास और कौशल निर्माण पर भी जोर दे रहे हैं। आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कमकोटी ने कहा, सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा के साथ साझेदारी हमारे लिए गर्व की बात है। यह सहयोग एआई तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल के ज़रिए शोध और तकनीकी विकास को नई ऊंचाई देगा। तेज़ी से बदलते तकनीकी माहौल में यह समझौता लाभार्थियों को ज़रूरी कौशल देगा, जिससे सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक समाधान के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित हो सकेगा। सैमसंग इंडिया और आईआईटी मद्रास के बीच यह रणनीतिक साझेदारी सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा के शैक्षणिक सहयोग के नेटवर्क को और मज़बूती देती है। इससे पहले सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा ने आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मुंबई और आईआईटी रोपड़ जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी की है। इन सहयोगों के ज़रिए सैमसंग और ये संस्थान मिलकर ऐसे विचार और समाधान तैयार कर रहे हैं, जो भविष्य में समाज के लिए उपयोगी साबित होंगे। सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा उन अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को प्रायोजित करेगा, जिन्हें आईआईटी मद्रास में, सैमसंग के केंद्र में या दोनों जगह मिलकर अंजाम दिया जाएगा।

बारिश की वजह से सीसीपीएल का फाइनल मैच नहीं खेला जा सका

मुख्यमंत्री ने CCPL की विजेता टीमों को सौंपा विनर्स कप

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय नवा रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन 2 के समापन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग की विजेता टीमों को विनर्स कप सौंपा। बारिश की वजह से सीसीपीएल का फाइनल मैच नहीं खेला जा सका। फाइनल में पहुंची दोनों टीमों रायपुर राइनोस और राजनांदगांव पैंथर्स को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन 2 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य की बात है कि सीसीपीएल जैसे क्रिकेट टूर्नामेंट का यहां शानदार आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में हम सभी खेलों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के माध्यम से राज्य के प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ियों को खेलने का बेहतरीन मौका मिला है। इस आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ बधाई का पात्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बारिश की वजह फाइनल मैच नहीं खेला जा सका। रायपुर राइनोस और राजनांदगांव पैंथर्स टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया है। मैं दोनों टीमों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ और सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। यह बहुत खुशी की बात है कि मौसम खराब होने के बाद भी बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम में मौजूद हैं। मैं आशा करता हूँ कि छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ इसी तरह आगे भी छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन करता रहेगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन 2 का आयोजन 6 जून से 15 जून तक किया गया। इसमें रायपुर राइनोस, राजनांदगांव पैंथर्स, रायगढ़ लायन्स, बस्तर बाइसन्स, बिलासपुर बुल्स और सरगुजा टाईगर्स टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री के हाथों से रायपुर राइनोस और राजनांदगांव पैंथर्स टीम के कप्तान अमनदीप खरे और अजय मंडल ने विनर्स कप ग्रहण किया। इस अवसर पर खेल मंत्री टंकराम वर्मा, राज्यसभा सांसद और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, बलदेव सिंह भाटिया, प्रभतेज सिंह भाटिया सहित छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारी और क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे।

हर्ष प्राइड में आबकारी विभाग का छापा 105 लीटर विदेशी शराब जब्त

खबकसे तस्करी कर लाया जा रहा था माल

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी के हर्ष प्राइड अपार्टमेंट, दलदलसिवनी में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश से तस्करी कर लाई गई 105 लीटर विदेशी शराब जब्त की है। इस दौरान आरोपी संजय दासवानी को गिरफ्तार किया गया है। जब्त शराब की कीमत ?1.59 लाख आंकी गई है।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई- जिला आबकारी विभाग को मिली गोपनीय सूचना के बाद आबकारी आयुक्त सह प्रबंध संचालक और कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर टीम ने संजय दासवानी के मकान पर छापा मारा। छापे के दौरान कई ब्रांड की विदेशी शराब बरामद की गई, जिसे मध्यप्रदेश से अवैध रूप से रायपुर लाया गया था।

आरोपी से पूछताछ जारी, मोबाइल जब्त- पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और उसके मोबाइल को जब्त कर संपर्कों की जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, संजय दासवानी अवैध शराब कारोबार से लंबे समय से जुड़ा हुआ है और इस रैकेट में और भी संदिग्धों की भूमिका की जांच की जा रही है। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और मामले की विवेचना जारी है।

अवैध शराब के साथ 5 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध शराब बेचते 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 195 पाव देशी व विदेशी शराब जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा पुलिस ने सड्डू बाजार के पास अवैध शराब के साथ आरोपी जगन्नाथ कुम्हार 30 वर्ष व कैलाश कुम्हार 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से 92 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं धरसींवा पुलिस ने नंदन स्टील कंपनी के पीछे सिलतरा के पास आरोपी कुलेश्वर निषाद 34 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 20 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह मंदिरहसौद पुलिस ने ग्राम नवागांव के पास यशकुमार मण्डावी 22 वर्ष के पास से 42 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं सिविल लाइन पुलिस ने तरुण नगर पंडरी के पास आरोपी विक्रम वर्मा 68 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 41 पाव देशी व विदेशी शराब जब्त किया है।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

केबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने पूर्ण स्वामित्ववाली सब्सीडरी कंपनी – धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की

रायपुर। नासिक स्थित केबीसी ग्लोबल लिमिटेड (BSE: 541161, NSE: केबीसीग्लोबल), जो इंफ्रास्ट्रक्चर और EPC सेवाओं में अग्रणी है, उसने रिन्युएबल एनर्जी सेक्टर में अपने विस्तार के हिस्से के रूप में एक नई पूर्ण स्वामित्ववाली सब्सीडरी कंपनी, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड के गठन की घोषणा की है। 13 जून, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में डिरेक्टर बोर्ड द्वारा इस कदम को मंजूरी दी गई। नई कंपनी स्थिरता और ग्रीन एनर्जी के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप सौर और हाइब्रिड ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगी और जिसका 100त्न स्वामित्व धरान इंफ्रा-ईपीसी लिमिटेड के पास होगा। धरन इन्फ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड रिन्युएबल एनर्जी मोडल, सेल और सहायक उपकरण के निर्माण, डिजाइन, विकास, सुधार सहित गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला में शामिल होगा। इसमें अनुसंधान, व्यापार, खरीद, बिक्री, थोक बिक्री, खुदरा बिक्री, वितरण, ईम्पोर्ट - एक्सपोर्ट, संयोजन, निर्माण, मरम्मत, रखरखाव, संशोधन और संचालन शामिल हैं। इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा परियोजनाओं और हाइब्रिड सिस्टम - सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करना है जो सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी को ऊर्जा के अन्य रूपों के साथ जोड़ती हैं। कंपनी के मेनेजमेन्ट ने कहा, धरन इन्फ्रा सोलर का गठन हमारी विविधीकरण यात्रा में एक स्वाभाविक प्रगति है। रिन्युएबल एनर्जी अब एक विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता है। यह पहल एक स्वच्छ, ग्रीन भविष्य में योगदान देने के हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण को पुष्ट करती है, साथ ही स्थायी व्यवसाय विकास के लिए नए रास्ते खोलती है। इस नई सब्सीडरी कंपनी का गठन इंफ्रा-ईपीसी की इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक व्यापक खिलाड़ी बनने की रणनीति में एक महत्वपूर्ण सीमाचिह्न है। यह ऐसे समय में हुआ है जब भारत रिन्युएबल एनर्जी की ओर अपने संक्रमण को तेज कर रहा है, जिससे महत्वपूर्ण बाजार अवसर पैदा हो रहे हैं। कंपनी बुनियादी ढांचे और ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने और बाजार में अपने ब्रांड को फिर से स्थापित करने के लिए रणनीतिक बदलाव के हिस्से के रूप में केबीसी ग्लोबल लिमिटेड से धरन इंफ्रा-ईपीसी लिमिटेड में रीब्रांडिंग कर रही है। फरवरी 2024 में, निदेशक मंडल ने 260 करोड़ रुपये के ऑर्डर बुक साइज के साथ शेयरधारकों को 1:1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी।

गर्मी को देखते हुए बदला स्कूल का टाइम, 7 बजे लगेगी क्लास...

रायपुर (समय दर्शन)। गर्मी की छुट्टी के बाद 16 जून से राज्य के स्कूल खुल गए हैं। राजयभर में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस बीच गर्मी को देखते हुए स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के जारी आदेश के अनुसार 17 से 21 जून तक स्कूल सुबह 7 से 11 बजे तक खुलेंगे। हालांकि 23 जून से सभी स्कूलों को समय पहले जैसा ही हो जाएगा। ये आदेश सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के लिए जारी हुआ है। जारी आदेश के मुताबिक 17 जून से 21 जून तक सभी शासकीय और अशासकीय (सरकारी और प्राइवेट) स्कूलों में कक्षाएं सुबह 7 बजे से 11 बजे तक संचालित की जाएंगी। गर्मी की तीव्रता और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है, जिससे उन्हें दोपहर की तेज धूप से बचाया जा सके। वहीं दूसरी तरफशिक्षक संगठनों की ओर से छुट्टी की मांग भी की गई थी। संगठनों ने तेज धूप और गर्मी को देखते हुए छुट्टी कम से कम एक सप्ताह बढ़ाने की मांग की गई थी। लेकिन अब तक छुट्टी को लेकर कोई भी आदेश शासन द्वारा जारी नहीं किया गया है।

तोमर बंधुओं के लिए वसूली करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी में लंबे समय से संचालित तोमर बंधुओं के अवैध वसूली रैकेट का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ब्याज वसूली में संलिप्त दो आरोपियों - बंटी सहारे और जितेंद्र देवांगन उर्फमोनू को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से महत्वपूर्ण दस्तावेज और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

विस्टों फाइनेंस नाम से चल रहा था वसूली ग्रुप : पुलिस जांच में सामने आया है कि बंटी सहारे पिछले दो सालों से रोहित तोमर, वीरेंद्र तोमर और दिव्यांश के लिए ब्याज वसूली मैनेजर के तौर पर काम कर रहा था। विस्टों फाइनेंस नाम से बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप के ज़रिए ब्याज की रकम वसूली जाती थी और पूरा लेखा-जोखा मोबाइल पर संचालित किया जा रहा था।

धमकी देकर की जाती थी वसूली : जांच में यह भी सामने आया है कि ब्याज न चुकाने वाले लोगों को धमकाया जाता था। तोमर बंधु खुद पीड़ितों को डराकर वसूली करवाते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम समेत भारतीय दंड संहिता की धारा 308(2) और 111(1) के तहत थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 230/25 पंजीबद्ध किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी : बंटी सहारे पिता अशोक सहारे (36), निवासी झंडा चौक, शिवनगर, चंगोराभाठा, थाना डी.डी. नगर, रायपुर जितेंद्र देवांगन उर्फमोनू पिता बिसनाथ देवांगन (24), निवासी शीतलापारा, सिमगा, जिला बलौदाबाजार (हाल पता - भगत सिंह चौक, टिकरापारा, रायपुर)

रायपुर पुलिस की टीम मुख्य आरोपी तोमर बंधुओं की लगातार पतासाजी कर रही है। साथ ही उनके अन्य सहयोगियों की पहचान और अवैध लेन-देन के नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने का काम जारी है।

न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम

ई-कोर्ट प्रकरण कमांक /ब-121/वर्ष 2024-25- ग्राम बहरमुडा

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को समस्त ग्रामवासी बहरमुडा सूचित किया जाता है कि आवेदक सहदेव यादव पिता रामचरण निवास का पता ग्राम बहरमुडा तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ द्वारा अपने दादी ललिता यादव पति खेलन यादव निवास का पता :- ग्राम जिनकी मृत्यु ग्राम बहरमुडा बहरमुडा तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ है पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ में दिनांक 03.04.2006 को हुआ है जिनकी मृत्यु तिथि शासकीय दस्तावेजों मे दर्ज कराये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उपर्युक्तानुसार वर्णित पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षकर्ता न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई तिथि 20.06.2025 तक स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सुनवाई तिथि: 20.06.2025

न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया
जिला कबीरधाम (छ.ग.)

मुहर

संपादकीय

निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में शांति वार्ता का दूसरा दौर चल रहा है। इस खबर से दुनिया भर में राहत की सांस ली जानी चाहिए थी, लेकिन कोई इसके सार्थक परिणामों की उम्मीद नहीं कर रहा। दोनों देशों में अभी तक मृत सैनिकों के शवों और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर ही सहमति बनी है, जबकि युद्ध तीन साल से बदस्तूर जारी है। दोनों देशों में हो रही वार्ता की तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान अध्यक्षता कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से पहले ही संकेत मिल चुके हैं कि युद्ध को रोकने की दिशा में फिलहाल कोई ठोस प्रगति नहीं होने जा रही है। जंग का हाल ये है कि रोज इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। अग्रिम मोर्चे पर भीषण लड़ाई चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के क्षेत्र में भीतर तक हमले कर रहे हैं। पहले इस युद्ध में यूक्रेन को कमजोर समझा जा रहा था और पूरी दुनिया मान बैठी थी कि यूक्रेन जल्द ही हथियार डाल देगा और रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन यूक्रेनी सेना इस युद्ध को तीसरे साल तक खींचने में कामयाब रही है। रविवार को तो यूक्रेन ने रूस को एसा सबक सिखाया जिसे पुतिन और रूसी सेना कभी नहीं भूल पाएगी। यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमले करके रूस के भीतर कई अहम एयर स्ट्रिप को बरबाद कर 40 से अधिक रूसी विमानों की कब्रगाह बना डाली। खिसियाया रूसी रक्षा मंत्रालय मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या बताकर ही खीझ मिटा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले पहले की तरह जारी हैं। युद्ध अब अत्याधुनिक पैंतरेबाजी तक पहुंच गया है। इसमें अब सैनिकों से ज्यादा ड्रोन की भूमिका हो गई है। युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और बड़े देशों की भूमिका निंदनीय बनी हुई है। ये सभी इसे पुतिन का निजी मामला समझकर सुविधाजनक दूरी बनाए हुए हैं। यूक्रेन को सैन्य सामग्री देकर ही नाटो भी संतुष्ट है। अमेरिका रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदन वालों पर 500 फीसद शुल्क लगाने के विधेयक पर विचार की तैयारी कर रहा है। भारत और चीन इसका सीधा शिकार बनेंगे जो रूस से भारी मात्रा में ये सामान खरीद रहे हैं। इस युद्ध से पुतिन भी संकट में हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे युद्ध में गर्दन फंसा ली है जहां से निकलना संभव नहीं हो रहा। यूक्रेनी शहरों की तबाही और लाखों लोगों के विस्थापन के साथ दुनिया की भी सांस हलक में अटकी है। इस्तांबुल वार्ता का किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी है।

बैंकिंग प्रणाली को ग्राहक-केंद्रित बनाने की जरूरत

विनीत नारायण

भारतीय बैंकिंग प्रणाली, जो देश की आर्थिक रीढ़ मानी जाती है, समय-समय पर ग्राहकों के साथ अनुचित व्यवहार के लिए आलोचना का विषय बनती रही है। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नये दिशा-निर्देशों का ऐलान किया गया जिनसे देश भर के बैंकों में नये सेवा शुल्कों और लेन देन की सीमाओं को लेकर असमंजस की स्थिति है। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कंफेडरेशन के पूर्व महासचिव थॉमस फ्रैंको ने हाल में बैंकों द्वारा ग्राहकों से अनुचित शुल्क वसूलने और आरबीआई की नीतियों के प्रभावों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। फ्रैंको ने बैंकों की उन प्रथाओं पर प्रकाश डाला है, जिनके माध्यम से ग्राहक अनजाने में अतिरिक्त शुल्क और चार्जेस का बोझ उठाते हैं। उनके अनुसार, बैंक न केवल अपनी सेवाओं के लिए मनमाने ढंग से शुल्क बढ़ाते हैं, बल्कि ग्राहकों को अनुचित नियमों और शतरे के जाल में भी फंसाते हैं। उदाहरण के लिए, एटीएम लेन देन पर लगने वाले शुल्क, न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता और तीसरे पक्ष के उत्पादों (जैसे बीमा) की गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) आम ग्राहकों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के बावजूद बैंक ग्राहकों के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने में विफल रहे हैं। वे बताते हैं कि बैंकों द्वारा लगाए गए कई शुल्क, जैसे एटीएम से नकदी निकासी पर चार्ज या न्यूनतम बैलेंस न रखने की सजा, ग्राहकों के लिए अनुचित और बोझिल हैं। विशेष रूप से छोटे बचत खाताधारकों और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। आरबीआई ने हाल में एटीएम संचालन, लेन देन सीमा और शुल्क से संबंधित नये दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार, ग्राहकों को अपने बैंक के एटीएम पर सीमित मुफ्त लेन देन की सुविधा दी जाती है, और अन्य बैंकों के एटीएम पर भी मुफ्त लेन देन की संख्या निर्धारित की गई है। इन सीमाओं को पार करने पर ग्राहकों से शुल्क वसूला जाता है। फ्रैंको का तर्क है कि ये दिशा-निर्देश बैंकों को ग्राहकों से अतिरिक्त शुल्क वसूलने की छूट देते हैं, जिससे आम आदमी पर बोझ बढ़ता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से पांच मुफ्त लेन देन के बाद अतिरिक्त निकासी करता है, तो उसे प्रति लेन देन 20 रु पये तक का शुल्क देना पड़ सकता है। इसी तरह, अन्य बैंकों के एटीएम पर तीन मुफ्त लेन देन के बाद शुल्क लागू होता है। फ्रैंको के अनुसार, यह व्यवस्था ग्राहकों को उनकी ही बचत का उपयोग करने के लिए दंडित करती है। आरबीआई ने डिजिटल बैंकिंग और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जैसे मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और अनिधकृत लेन देन की स्थिति में ग्राहकों की शून्य देयता। हालांकि, फ्रैंको का कहना है कि इन नियमों का कार्यान्वयन अपर्याप्त है। बैंकों द्वारा ग्राहकों को सूचित करने और शिकायत निवारण की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी बनी रहती है। थॉमस फ्रैंको ने बैंकों द्वारा तीसरे पक्ष के उत्पादों, विशेष रूप से बीमा और म्यूचुअल फंड, की मिस-सेलिंग पर विशेष ध्यान दिया है। उनके अनुसार, बैंक कर्मचारी अक्सर ग्राहकों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, को भ्रामक जानकारी देकर ऐसे उत्पाद बेचते हैं, जो उनकी वित्तीय जरूरतों के लिए उपयुक्त नहीं होते। उदाहरण के लिए, सिंगल प्रीमियम बीमा पॉलिसियों की बिक्री में ग्राहकों को जोखिमों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग अपनी बचत खो देते हैं। अक्सर देखा गया है कि बैंकों द्वारा ग्राहकों को अनुचित शतरे वाले ऋण समझौतों में फंसाया जाता है। उदाहरण के लिए, फ्लोटिंग रेट होम लोन लेने वाले ग्राहकों को ब्याज दरों में कमी का लाभ स्वचालित रूप से नहीं दिया जाता और इसके लिए अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता है।

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

ललित गर्ग

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है। जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा। दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है। ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है। इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा। इसलिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हम ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। जो आपरेशन शुरु किया है, उसे लक्ष्य हासिल होने तक जारी रखेंगे। ईरान का परमाणु शक्ति बनना एक बड़ा खतरा है, इस बड़े खतरे को समाप्त करना ही ऑपरेशन राइजिंग लायन का लक्ष्य है। इसी समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आना भी इजरायल के बेहतर मौका लेकर आया और यहां अमेरिका का समर्थन अहम हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार-बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इजरायल-ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि इजरायल और हमास, हिजबुल्ला व हूती विद्रोहियों के बीच पहले से जारी संघर्ष से संवेदनशील बने इलाके में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है। इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव बढ़ने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसके जटिल परिणाम सामने आते हैं और सभी जीवन-निर्वाह की चीजों के दाम बढ़ जाते हैं। जिससे भारतीय रूपया कमजोर होने, मुद्रास्फीति बढ़ने और देश की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ने का खतरा भी है। भारत अपनी जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, ऐसी घटनाओं का महंगाई से लेकर व्यापार संतुलन, रोजगार से लेकर जीवन-निर्वाह तक के महत्वपूर्ण संकेतकों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष भारत के हितों को चोट पहुंचाने वाला है। आर्थिक हित के साथ दोनों देशों के साथ भारत के सामरिक तथा रणनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। भारत को संतुलित रवैया अपनाना होगा, क्योंकि ईरान हमारा पुराना मित्र है, जो कश्मीर मुद्दे को लेकर इस्लामिक देशों के संगठन तक भारत का साथ देता रहा है। इजरायल हमारा महत्वपूर्ण सामरिक एवं नवाचार साझेदार है। किसी के भी पक्ष में झुकाव दुविधा को ओर बढ़ायेगा।

साइबर अपराधियों के बढ़ते हौसलें, आमजन में शिकायत की जानकारी का अभाव

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश दुनिया में साइबर अपराध के बढ़ते आंकड़े जहां चिंतित करने वाले हैं वहीं यह और भी आश्चर्यजनक और चिंताजनक हालात है कि लाख अवेयरनेस प्रोग्राम व मीडिया में आये दिन साइबर ठगी के समाचारों की भरमार के बावजूद देश में केवल 18 फीसदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत कहां और कैसे करनी है कि जानकारी है। यह तो सरकारी आंकड़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी-मार्च, 2025 में कराये गये ताजातरीन सर्वे से यह आंकड़ें प्राप्त हुए हैं। दूसरी और यूपीआई से भुगतान में खासा बढ़ोतरी हुई हैं। आज ठेले पर सब्जी बेचने वाले से लेकर दो-पांच रुपए का सामान विक्रेता भी आसानी से यूपीआई से भुगतान प्राप्त कर रहा है। 2022-23 में जहां केवल 38 फीसदी लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे वह आज बढ़कर 50 प्रतिशत के लगभग हो गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज ऑनलाइन पेमेंट करना लोगों की आदत में आ गया है। जेब में रुपया-पैसा रखना या कहीं जाते समय साथ पैसा लेजाना लोगों की आदत में अब लगभग नहीं ही रहा है। पर तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है और पिछले तीन सालों में ही साइबर अपराध के आंकड़ें तीन गुणा बढ़ गए हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज मोबाइल पर किसी का नंबर डायल करते ही पहले साइबर अपराध से सचेत रहने की कॉलर ट्यून सुनने को मिलती है और उसके बाद बात होती है।

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।

हमारे देश में साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं या फिर ड़रा धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध्यमों से बार बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा ड़राने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं। ओटीपी दे देते हैं तो लिंक खोलने के लिए लाख मना करने के बावजूद लिंक खोलकर लुट जाते हैं। पुलिस अधिकारी बन कर जिस तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का रास्ता अपनाया जा रहा है उस संबंध में अवेयरनेस अभियान के बावजूद ठगी का शिकार होने वालों की संख्या या राषि में कमी नहीं हो रही है। डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक ड़र या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। दरअसल इसमें पुलिस, सरकारी जांच एजेंसी या प्रवर्तन निदेशालय के नकली अधिकारी बन कर इस कदर ड़रा देते हैं कि कई दिनों तक लगातार ऑडियो या वीडियो कॉल करके ठगी का शिकार बना लेते हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हो। सरकार व वित्तदायी संस्थाओं द्वारा मीडिया के माध्यम से सजग किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखण्ड के बड़े केन्द्र जमातड़ा को लगभग समाप्त कर ही दिया है। पर देष में 74 हॉट स्पॉट विकसित हो गए हैं। इनमें हरियाणा का नूंह, राजस्थान का डीग, झारखण्ड का देवघर, राजस्थान का अलवर और बिहार का नालंदा पहले पांच हॉट स्पॉट हो गए हैं। मीडिया द्वारा भी समय समय पर स्ट्रिंग कर इस तरह के केन्द्रों को एक्सपोज किया है पर ठगी कम होने को ही नहीं है। दरअसल आमनागरिकों को भी सजग होना ही होगा। अनजान नंबरों पर बात ही ना करें। ज्योंही कोई डराये धमकायें तो बहकावें में आने के स्थान पर पड़ताल करें। इस तरह के हालात सामने आये तो परेशान होने के स्थान पर परेशानी को साझा करें, पुलिस का सहयोग लेने में भी संकोच ना करें। देखा जाए तो सजगता इस समस्या का समाधान हो सकती है। सबसे ज्यादा जरुरी यह हो जाता है कि लाख सजगता के बावजूद भी यदि साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं तो उस स्थिति में बिना किसी घबराहट और संकोच के कहां ओर कैसे शिकायत की जा सकती है इसकी जानकारी देने के लिए सरकारी संस्थाओं के साथ ही गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा नहीं तो साइबर अपराध का जिस तरह से दायरा दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ रहा है उस पर अंकुश नहीं लग सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

तुलेश्वर साहू का नवोदय मे चयन

पिथौरा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला पण्डरीपानी संकुल मोहगांव से छात्र तुलेश्वर साहू का नवोदय विद्यालय मे चयन होने से गाँव मे खुशी का माहौल है । पिथौरा विकास खण्ड के दुरस्त अंचल मे स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय पण्डरीपानी से छात्र तुलेश्वर साहू का जवाहर नवोदय विद्यालय हेतु चयन हुआ है। शासकीय प्राथमिक विद्यालय पण्डरीपानी आदिवासी बहुल गांव है ,जहां शिक्षकों ने शिक्षा के नीव को मजबूत किया है। इस दूरस्त अंचल मे स्थित शाला में पदस्थ प्रधान पाठक श्रीमती गीता पण्डा एवं सहायक शिक्षक मनोज कुमार साहू के अथक प्रयास एवं मेहनत से यह सफलता प्राप्त हुई है। आज की स्थिति मे इस गाँव से कोई भी बच्चा प्राइवेट स्कूल मे पढने नही जाता। शतप्रतिशत बच्चे गांव मे ही पढना चाहते है और पालको को भी विद्यालय के शिक्षको पर पुरा भरोसा है और सहयोग प्राप्त होता है। यह शिक्षकों के लिए सबसे बडी सफलता है। विगत वर्षो मे भी इस विद्यालय से नवोदय विद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय हेतु बच्चों का चयन होता रहा है। छात्र एवं शिक्षकों के इस सफलता पर ग्राम पंचायत सरपंच गिरधर पटेल , पूर्व सरपंच राजेश साव एवं शाला प्रबंधन समिति सदस्यगण तथा ग्राम के वरिष्ठजन नेपाल निषाद, विदेशी निषाद, डिग्री लाल सिदार, गोपीचंद राणा, मोहन सिदार एवं संकुल केन्द्र मोहगांव के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ प्रवेश परीक्षा पंजीयन हेतु सघन अभियान प्रारंभ

डोंगरगढ़। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में सत्र 2026 हेतु कक्षा छठवीं प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीयन प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। इस क्रम में संस्था के प्राचार्य प्रभारी संजय कुमार मंडल एवं शारीरिक शिक्षक अनिल कुमार पाल ने मिलकर प्रचार-प्रसार अभियान की शुरुआत की है। अभियान की शुरुआत जिला शिक्षा अधिकारी लालजी द्विवेदी से भेंट कर की गई। तत्पश्चात नवगठित खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुश्री नीलम एवं सहायक बीईओ श्री अमेला से संपर्क कर उन्हें प्रोस्पेक्टस एवं पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। बाद में छुईखदान एवं गंडई विकासखंडों में जाकर सहायक बीईओ श्री सुधाकर से मिलकर पंजीयन कार्य को गति देने हेतु पंपलेट एवं अन्य प्रचार सामग्री प्रदान की गई। ज्ञात हो कि जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ सत्र 2026 में राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करेगा। यह परीक्षा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की जाएगी। संस्था के प्राचार्य प्रभारी श्री मंडल ने बताया कि कल मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के शिक्षा अधिकारियों से भेंट कर अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा। नवोदय प्रवेश परीक्षा पंजीयन में राजनांदगांव जिला पूर्व में देश में अग्रणी रहा है। इसका श्रेय जिले के शिक्षा अधिकारियों, बीईओ, समन्वयकों एवं विद्यालय प्रमुखों को जाता है, जिन्होंने हर बार शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित कर जिला को गौरवान्वित किया है। नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षा होती है, जिसमें हजारों छात्र भाग लेते हैं। सीबीएसई द्वारा मेरिट के आधार पर 80 छात्रों का चयन किया जाता है। आवासीय सुविधाओं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रयोगशालाओं से सुसज्जित यह विद्यालय पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। संस्था के प्राचार्य प्रभारी ने तीनों जिलों के शिक्षा अधिकारियों से आग्रह किया है कि कक्षा पांचवी में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को भी राष्ट्रीय मंच पर अवसर मिल सके। संस्थान की इस पहल से शिक्षा के क्षेत्र में नवचेतना का संचार हुआ है, और जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों से अपेक्षा है कि वे बच्चों को इस प्रतियोगिता के लिए प्रेरित करें।

कलेक्टर जनदर्शन में आए विमला यादव को कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने तत्काल राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाकर दिए

कलेक्टर जनदर्शन में समस्या का तुरंत हुआ समाधान

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन) कलेक्टर जनदर्शन में अपनी समस्या का लेकर आने वाले विमला यादव को विश्वास नहीं था कि उनका राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड तत्काल बन जाएगा। कलेक्टर जनदर्शन में बरमकेला ब्लॉक मुख्यालय के नजदीक ग्राम चांटीपाली निवासी विमला यादव ने कलेक्टर जनदर्शन में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे

से मुलाकात कर अपनी समस्या को बतायी। उन्होंने कहा कि मेरे पति मुझे 10 वर्ष से छोड़ दिए हैं। मैं अकेली परित्यक्ता महिला हूं। मेरे राशन कार्ड और आयुष्मान नहीं बना है। कलेक्टर ने खाद्य अधिकारी चितरंजन सिंह और डीपीएम एन एल इजारदार को तुरंत राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर दोनो अधिकारियों ने लगभग आधे घंटे में नया अन्त्योदय राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनाकर दे दिया। इससे विमला यादव बहुत खुश हुई और कलेक्टर सहित मुख्यमंत्री को धन्यवाद दी है।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने समय सीमा की बैठक के बाद जिले के नागरिकों की मांग और समस्याओं को कलेक्टर जनदर्शन में सुने और सभी अधिकारियों को आवेदक के समक्ष ही आवेदन के संबंध में कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने चर्चाकर निराकरण के निर्देश दिए। आवेदनों में पीएम आवास, पेंशन और राजस्व के आवेदन सामान्य रूप से होते हैं।

हादसों में आए कमी, गौसेवकों की अनूठी पहल-गौवंशों को बांधे जा रहे रेडियम बेल्ट

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर एवं जिले भर में रात्रिकालीन हादसों में कमी लाने की दिशा में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल एवं स्वास्तिक जनसमर्पण सेवा समिति ने एक सार्थक पहल की है। बरसात पूर्व अभियान के तहत रात्रि में घूमने वाले गौवंश को रेडियम पट्टी (बेल्ट) पहनाई जा रही है, जिससे वाहन चालकों को दूर से ही गौवंश दिखाई दे सके और दुर्घटनाओं से बचाव हो सके।

इस अभियान का उद्देश्य स्पष्ट है- गौसेवा और जनसुरक्षा। वर्षा ऋतु में दृश्यता कम होने से गौवंशों के साथ दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं, जिसे रोकने इस बार राजनांदगांव के गौसेवकों, जीवसेवकों, पशु चिकित्सकों व संस्थाओं के समन्वय से 1000 गौवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाने का लक्ष्य रखा गया है। बजरंग दल अपने प्रत्येक खंड एवं प्रखंड स्तर पर हिंदुत्ववादी सेवा कार्यक्रम के तहत यह कार्य कर रहा है। संभाग सहसंयोजक सुनील सेन, जिला संयोजक राहुल मिश्रा एवं जिला सहसंयोजक अंशुल कसार एवं सत्यम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सेवा विगत कई वर्षों से निरंतर जारी है और इसे वर्ष दर वर्ष व्यापक रूप दिया

जा रहा है।

इस सेवा अभियान में न सिर्फ संस्थाएं, बल्कि स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और पशुप्रेमी भी जुड़ रहे हैं। गौवंशों की सुरक्षा के साथ-साथ सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों की भी रक्षा करना इस पहल का उद्देश्य है।

संगठनों ने नागरिकों से भी अनुरोध किया है कि यदि उनके मोहल्ले या क्षेत्र में कोई आवारा गौवंश है तो उसे रेडियम बेल्ट पहनाने के लिए संपर्क करेंए ताकि पूरे जिले में एक संगठित सुरक्षा कवच तैयार किया जा सके।

यह सेवा संस्कारधानी राजनांदगांव को न सिर्फ गौसेवा के क्षेत्र में, बल्कि सामाजिक चेतना और सुरक्षा के मामले में भी एक मॉडल बना रही है।

सरपंच पुत्र पर ग्रामीणों ने लगाए दादागिरी करने का आरोप.. ग्रामीण परेशान

सरपंच हटाओ ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई गुहार,

सारंगढ़ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)- सारँगढ जिला मुख्यालय से करीब 7,8 किलोमीटर छोटे लेन्धरा में जेसीबी से शौचालय, तालाब, घर और लगभग 200 से 300 पेड़ जबरदस्ती काट दिये गए और ग्रामीणों के मना करने पर खूब गुंडागर्दी हुई आपको बता दे सैकड़ो की संख्या में लेन्धरा छोटे ग्राम पंचायत ग्रामीण कलेक्टर दफ़्तर पहुचे थे जहाँ उन्होंने सरपंच और उनके गुंडो कि दबंगई की शिकायत की है शिकायतकर्ताओं कहना है कि कुछ दिनों से सरपंच पुत्र और उपसरपंच और उनके साथी 70 - 80 वर्षो से रह रहे उन्हें निकालने में लगे हुए और सरपंच पुत्र कहते है कि इस पूरे मोहल्ले को खाली कराया जाएगा किसी को नही रहने दिया जाएगा कहते हुए मशीन से शौचालय तोड़ दिया गया, तालाब को पाट दिया गया साथ ही सैकड़ो पेड़ भी उखाड़ दिया ग्रामीणों के विरोध पर ग्रामीणों के साथ दबंगई किया जा रहा है वहीं ग्रामीणों का कहना है कि शासकीय कार्य करना होगा तो हम खुद ही छोड़ देंगे लेकिन ग्राम पंचायत में कोई प्रस्ताव नही किया गया और न ही कोटवार से मुनादी और न ही ह्यस्त्रद्व कलेक्टर साहब का कोई आदेश फिर भी ग्रामीणों को जबरदस्ती परेशान किया जा रहा है वही ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें डराया जा रहा है धमकाया जा रहा है हम सब ग्रामीण काफी परेशान

है सहमे हुए है जबकि गाव में कई जगह बेजाकब्जा है लेकिन हमें सिर्फ निकाला जा रहा है फिलहाल परेशान ग्रामीणों ने रास्ते मे ही कलेक्टर साहब को रोक कर ग्रामीणों ने निवेदन किया कलेक्टर ने मामले को देखते हुए मोके पर ह्यस्त्रद्व साहब को तत्काल निर्देशिषित किया मामले की जांच करने और ग्रामीणो को आश्वाशन दिया कि उचित कार्यवाही होगी

संभावित नालंदा परिसर बन भी गया तो आजीवन रहेगा विवादित

बिलासपुर (समय दर्शन)। पहले तो यह कहने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि अस्पताल की जमीन छीनकर नालंदा की बात करना ही नैतिक दृष्टि से गलत है। पुस्तकें जलाना यदि गलत थी तो अस्पताल छीनना भी कम बड़ी गलती नहीं है, और इस समय हम बात कर रहे हैं शहर के बड़े दो दैनिक अख़बार की और नालंदा परिसर के संदर्भ में। दोनों अधूरी जानकारी क्यों देते हैं ऐसे में लगता है कि जानकारी अधूरी नहीं प्रायोजित है।

21 मई 2025 के दिन एक अखबार ने बताया कि 100 साल पुराना जर्जर अस्पताल परिसर पर नगर निगम का बुल्डोजर चल ही गया। शुरुआत ही भ्रामक है भवन जर्जर नहीं था। जब निगम की भारी भरकम मशीनरी इसे तोड़ रही थी तभी यह बात स्पष्ट हो चुकीं थी कि भवन जर्जर नहीं है। इस पूरे समाचार में इस बात का कहीं उल्लेख नहीं है कि इस पूरे भूखंड का मामला अभी उच्च न्यायालय में लंबित है और अंतिम निर्णय नहीं आया। समाचार में एक जगह उल्लेखित है कि लाल बिल्डिंग में म्यूजियम रहेगा। यह अंतर विरोध है, भवन मजबूत है तब तो म्यूजियम बनेगा। एक तरफ परिसर के भावनों को जर्जर कहकर तोड़ना और दूसरी तरफउन्ही में से किसी भवन में म्यूजियम बना लेना।

जून माह में एक अन्य अखबार लिखता है कि मिशन अस्पताल का मामला उच्च न्यायालय में लंबित है। इसलिए सारी विकास योजनाएं ठंडे बस्ते में चली गई। वह यह भी कहता है कि जमीन 1885 में क्रिश्चियन वुमन बोर्ड ऑफमिशन को सेवा कार्य के लिए आवंटित की गई थी। यह तथ्य प्रमाणित नहीं है। इसी समाचार में नगर निगम बिलासपुर के उपायुक्त का वक्तव्य है । मिशन अस्पताल का मामला हाई कोर्ट में है निर्णय के आधार से आगे का फैसला लिया जाएगा।

यह समाचार 13 जून 2025 को प्रकाशित हुआ है। दोनों अखबार पूरी जानकारी नहीं दे रहें है। सरकारी कर्मचारी उपायुक्त ने भी अधूरी जानकारी दी, 6 महीने पूर्व जब निगम ने जेसीब घुसाईं तब डिसाईपल के बेनिफिशियरी ने सत्र न्यायालय में एक प्रकरण प्रस्तुत किया। प्रकरण एक्टिव होने के पूर्व बिलासपुर जिला कलेक्टर को धारा 80 के तहत आवेदकों ने नियम अनुसार नोटिस दिया। पावती मिलने के बाद वाद दाखिल किया। वाद में तत्कालीन कलेक्टर बिलासपुर को नाम से पार्टी बनाया गया। नजूल अधिकारी और नगर निगम आयुक्त बिलासपुर वाद में पक्षकार हैं। सभी पक्षकार न्यायालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। ऐसे में उपायुक्त नगर निगम अधूरी जानकारी दे रहा है।

सत्र न्यायालय में अस्थाई निषेधाज्ञा पर आवेदन पर सभी पक्षों ने जवाब दाखिल किए हैं। कलेक्टर बिलासपुर की ओर से एक 7/11 का आवेदन दाखिल किया गया। जिस पर निर्णय लंबित है। हाई कोर्ट में जिस बिंदु लीज का निरस्तीकरण पर याचिका लगी उससे बहुत वृहद वाद सत्र न्यायालय में लगा है। सरकार की नालंदा परिसर योजना उच्च न्यालय मात्रा नहीं सत्र न्यायालय में भी उलझ चुकी है। निगम चुनाव के समय भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी घोषणा पत्र के समय जब उप-मुख्यमंत्री की पत्रकार वार्ता हुई तब 24द्धठ्ठड्ढ ने न्यायालिन प्रकरण यह लंबित होने के दौरान उसी भूमि पर योजना की घोषणा पर प्रश्न किया था और जवाब नहीं मिला।

नगर सैनिक भर्ती लिखित परीक्षा 22 जून को

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद नगर सैनिक भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत शारीरिक कौशल परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए अगली लिखित परीक्षा रविवार 22 जून को आयोजित की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थी 'छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल vyapam.cgstate.gov.in की वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

अभ्यर्थी अपने प्रोफाइल लॉगिन के माध्यम से वेबसाइट पर जाकर प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए लिंक के माध्यम से भी प्रवेश पत्र सीधे डाउनलोड किया जा सकता है।

जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी ने मीडिया को जानकारी मे बताया कि अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र पर एक घंटे पूर्व पहुँचना अनिवार्य होगा। सभी परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र के साथ एक फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लाना होगा। किसी भी वैध पहचान पत्र के अभाव में परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा से संबंधित किसी भी समस्या के लिए हेल्पलाइन नंबर 0771-2972780 और 8269801982 पर 'प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

सरकार अपराधिक घटनाएं रोकने में फेल, गृहमंत्री को चूड़ी पहनकर बैठ जाना चाहिए : दीपक बैज

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिले में खनिज विभाग व सरकार के निकम्मेपन के चलते अब रेत चोर माफियाओं के हौसले कितने बुलंद है। रोजाना प्रदेश में अपराधिक घटनाएं बढ़ रही है। राजनांदगांव शहर के मोहड़ वार्ड 49 है, जहां रेत माफियाओं द्वारा निर्दोष ग्रामीणों पर बंदूक तान दी। रेत उत्खन्न और हुई गोलीकांड मामले का अवलोकन करने मंगलवार 17 जून को पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज शिवनाथ नदी पहुंचकर रेत तस्करों द्वारा बनाए गए रैम्प का अवलोकन किया, वहीं मोहड़ वार्ड के जिस खेल मैदान में गोलीकांड की घटना हुई, वहां का मौका मुआयना कर वहां के ग्रामीणों से रूबरू चर्चाकर वस्तुस्थिति से वाकिफहोते हुए।

श्री बैज ने प्रदेश की भाजपा सरकार को जमकर कोसा और कहा कि छग विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह के निर्वाचन क्षेत्र व प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रभार जिले में अपराध की खुली छूट मची हुई है। लगातार अपराध बढ़ता जा रहा है, जो कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है। गृहमंत्री को चूड़ी पहनकर बैठ जाना चाहिए।

जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि मंगलवार 17 जून को छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज राजनांदगांव प्रवास पर थे। वे सीधे रायपुर से मोहड़ वार्ड पहुंचे, जहां विगत दिनों रेत माफियाओं द्वारा अवैध रेत उत्खन्न का विरोध करने पर निर्दोष ग्रामीणों पर बंदूक तानकर गोलीकांड की घटना को अंजाम दिया था। मौका

मुआयना करने पहुंचे पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पूरे प्रदेश में माफिया राज का बोलबाला है। निर्दोष ग्रामीण जो घटना में घायल जितेन्द्र साहू व ओमप्रकाश साहू से पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए कहा कि निर्दोष ग्रामीणों को डंडे व गोली से बात कर रही है। शासन-प्रशासन उन अपराधियों को बचाने में लगी है, अगर प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी भी इस प्रकरण में लिप्त है, तो उस पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।

अध्यक्ष श्री बैज ने सवाल उठते हुए कहा कि कौन है वो रेत माफिया, कहां से आए थे, उनके पास हथियार कहां से कैसे आया इनका अब तक जवाब नहीं मिल पाया है, जबकि माफियाओं ने जिस वाहन में आए थे, उसका गाड़ी नंबर स्पष्ट है तो फिर गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। शूटर बाहर प्रदेश से आते है, शासन-प्रशासन को पता नहीं क्या इसमें संदेह नहीं होता। कौन है संजय सिंह कहां से आए थे और कहां है, बाकि शूटर की अब तक गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई। पूरा प्रदेश देख रहा है, यह सरकार निकम्मी हो चुकी है। अपराधियों का राज चरम पर है, धमतरी, गरियाबंद, बस्तर में निर्दोष ग्रामीणों को मारा जा रहा है। पत्रकार को दौड़ाकर मारा जा रहा, क्या यही है सुशासन, गृहमंत्री अगर विभाग नहीं संभाल सकते तो उनको चूडी पहनकर बैठ जाना चाहिए। शासन-प्रशासन रेत के अवैध उत्खन्न नहीं रोकते तो हम कांग्रेसजन रोंकेगे, किन्तु छग को यूपी व बिहार नहीं बनने देंगे, छग को जंगलराज नहीं बनने देंगे, जो भी अपराधी व शुटर है उस पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए। आठ दिन हो गया है, किन्तु मेन सरगना अब तक नहीं पकड़ा जाना बड़ा सवाल है। अगर आठ दिन में नहीं पकड़ जाता, तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करने मजबूर होगी और इस पूरे मामले को लेकर सदन से सड़क तक लड़ने तैयार है कांग्रेस।

इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, डोगरगांव विधायक दलेश्वर साहू, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू, शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा, कुतबुद्दीन सोलंकी, कमलजीत सिंह पिन्टू, रमेश डाकलिया, श्रीकिशन खंडेलवाल, पदम कोठारी, पीसीसी महासचिव शाहिद खान, थानेश्वर पाटिला, मेहुल मारू, डा. आफ्ताब आलम, जिला कांग्रेस प्रभारी बृजेश शर्मा, पंकज बांधव, जिपं सदस्यद्वय विभा साहू, महेन्द्र यादव, जितेन्द्र मुदलियार, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, प्रवक्ता रूपेश दुबे, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष मोहम्मद यहया, महामंत्री हनी ग्रेवाल, विवेक वासनिक, ब्लॉक अध्यक्षद्वय सूर्यकांत जैन, आसिफ अली, संतोष पिल्ले, अमिन हुद्दा, शकील रिजवी, उत्तम साहू, मदन साहू, सुरेन्द्र देवांगन, संदीप जायसवाल, भोला यादव, राजिक सोलंकी, नीरज कन्नौजे, शेषनाथ, संदीप सोनी, शुभम पांडेय, राकेश चंद्राकर, स्वतंत्रदास साहू, कृतलाल पटेल, अशोक साहू, विजय अग्निहोत्री, शौर्य वैष्णव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस व ग्रामीणवार्डवासी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चुनकट्टा में बच्चों का प्रथम दिवस स्कूल में तिलक लगाकर किया स्वागत, मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

पाटन (समय दर्शन)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेशित सोमवार 16 जून 2025 को शा. प्रा. शाला चुनकटटा में प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सरपंच रोशनी राय, राधे लाल सोनवानी, छत्रपाल सिंह राजपूत, अजय सिंह राजपूत, नरसिंग साहू, शामिल रहे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा छात्रों को मिठाईयाँ खिलाकर नए सत्र का पुस्तक वितरण किया। इस दौरान सरपंच महोदया ने बच्चों को नए सत्र में प्रवेश हेतु शुभकामनायें दी व उन्हें मन लगा कर पढने को कहा। इस कार्यक्रम को सफ्ल बनाने हेडमास्टर श्रीमती धनेशवरी बंजारे एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कॉमरेड अल्ट्रा मैराथन में कांस्य पदक विजेता उमेश काकिरवार का चिखली स्कूल मैदान में हुआ सम्मान

राजनांदगांव। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कॉमरेड अल्ट्रा मैराथन में कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन करने वाले उमेश काकिरवार का सम्मान समारोह रुद्राक्षम वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम चिखली स्कूल मैदान में संपन्न हुआ, जहां अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं कोच मृणाल चौबे के नेतृत्व में हॉकी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों ने उमेश काकिरवार का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उमेश ने अपने मैराथन अनुभव बच्चों के साथ साझा करते हुए उन्हें स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने और संतुलित आहार लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास से ही किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। बच्चों ने उमेश से प्रेरणा लेते हुए भविष्य में खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प भी लिया। मृणाल चौबे ने बताया कि उमेश काकिरवार पटरी पार क्षेत्र के शांतिनगर निवासी हैं, और उनका यह ऐतिहासिक प्रदर्शन न केवल शहर बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि उमेश की उपलब्धि यह दर्शाती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति और समर्पण से हर मुकाम पाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान हॉकी प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों के पालकगण, स्थानीय वार्डवासी एवं खेलप्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। माहौल पूरी तरह से उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा। रुद्राक्षम वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित यह सम्मान समारोह खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। संस्था ने यह संदेश भी दिया कि हर खिलाड़ी और समाजसेवी की मेहनत को सराहा जाना चाहिए, जिससे आने वाली पीढ़ी उनके पदचिह्नों पर चल सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपनाएं कैलिफोर्निया बादाम – प्रोटीन का प्राकृतिक स्रोत

हर साल 21 जून को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें योग के शारीरिक, मानसिक और आत्मिक लाभों की याद दिलाता है। योग अपने आप में सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है, लेकिन जब इसे संतुलित और पोषक आहार के साथ जोड़ा जाए, तो इसका असर और भी बेहतर होता है। ऐसे आहार में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन और मिनरल जैसे ज़रूरी पोषक तत्व होने चाहिए। इनमें से प्रोटीन शरीर की मजबूती और मांसपेशियों की देखभाल के लिए सबसे अहम है। प्रोटीन के प्राकृतिक स्रोतों में बादाम एक आसान, स्वादिष्ट और सेहतमंद विकल्प है, जो योग अभ्यास के दौरान शरीर की ऊर्जा बनाए रखने और थकान कम करने में मदद करता है। रोज़ाना बादाम खाने से आपका योग अभ्यास और भी सशक्त बन सकता है। न्यूट्रिशन और वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णास्वामी ने कहा, ' 'योग या कोई भी शारीरिक गतिविधि तब सबसे ज्यादा असर दिखाती है, जब उसके साथ सही खानपान जोड़ा जाए। मैं हमेशा यही सलाह देती हूं कि योग के साथ प्रोटीन से भरपूर आहार लेना चाहिए – और बादाम इसका बेहतरीन उदाहरण हैं।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी, जांजगीर में शाला प्रवेशोत्सव पर विशेष गतिविधि आयोजित

जांजगीर-चांपा। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के निर्देशन में तथा छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार दिनांक-16/06/2025 को संस्था में शाला प्रवेशोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष गतिविधि आयोजित किया गया। नए शिक्षा सत्र 2025-26 में बच्चों के प्रवेश को यादगार बनाते हुए शाला में शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधि प्रस्तुत किया गया। सर्वप्रथम प्रार्थना प्रांगण में प्रार्थना सभा की शुरूआत शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत करते हुए की गई। संस्था के संगीत शिक्षक श्री हेमंत गंधर्व अन्य शिक्षकगण जिनमें चंदन दास, योगेश देवांगन, हन्ना बंजारे, मिनल सिंह, नेहा साहू, शबाना सिद्दिकी द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। शिक्षिका मनदीप कौर द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। संस्था की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह द्वारा विद्यार्थियों को सत्र 2025-26 के प्रथम दिवस में आगमन के लिए प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएँ दी गई, साथ ही उनके द्वारा संविधान की प्रस्तावना भी प्रस्तुत की गई। संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल जी द्वारा बच्चों को बधाई देते हुए आगे की कक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगान गाकर प्रार्थना सभा को पूर्ण बनाया गया। सम्पूर्ण प्रार्थना सभा संस्था के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा सम्पन्न कराया गया। तत्पश्चात् कक्षा-नर्सरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को तिलक लगाकर एवं चॉकलेट लिखाकर उनका स्वागत किया गया। कक्षा शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा विद्यार्थियों को उनके आने वाले शिक्षा सत्र से जुड़ी सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उन्हें विषयवार पाठ्यक्रम एवं आने वाली सम्पूर्ण गतिविधियों के बारे में बताया गया। आने वाले सत्र में मेहनत करने तथा लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित किया गया। कक्षावार कक्षा शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा विशेष गतिविधि भी करायी गई। सत् के पहले दिन उमंग से भरे हुए स्वागत से बच्चे उत्साहित नज़र आए। संम्पूर्ण कार्यक्रम के सफ्ल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, एडमिन स्टॉफ एवं ग्राउंड लेवल स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

जिले में ग्राम करमा और परसाही (नाला) से हुई धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना की शुरूआत

धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के तहत जनजाति समुदाय की समस्याओं का हुआ समाधान, हितग्राही हुए योजनाओ से लाभान्वित

18 जून को ग्राम पूछेली, गाड़ापाली, छीतापाली में शिविर का होगा आयोजन

जांजगीर-चांपा,/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत बलौदा विकासखंड के ग्राम करमा व खारी और अकलतरा विकासखंड के ग्राम पंचायत परसाही (नाला) में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य जनजाति समुदाय व ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना और शासन की योजनाओं का लाभ उन्हें सीधे उपलब्ध कराना है। योजना के तहत ग्राम करमा व खारी के लिए ग्राम करमा पंचायत भवन में और ग्राम परसाही (नाला) के पंचायत भवन में आयोजित इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान विभागीय योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया।

धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत बलौदा विकासखंड के ग्राम करमा में आयोजित शिविर में कुल 95 आवेदन प्राप्त हुए। इसी प्रकार अकलतरा विकासखंड के ग्राम पंचायत परसाही (नाला) में आयोजित शिविर में 53 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में प्राप्त आवेदनों को सभी संबंधित विभागों द्वारा निराकरण किया गया। इस दौरान शिविर में पहुंचे ग्रामीणों को संबंधित विभाग द्वारा योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने इस अभियान के प्रति उत्साह दिखाया और प्रशासनिक प्रयासों की सराहना की। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को उनके आवास की चाबी सौंपी गई। शिविर में आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड (पीएम-जेएवाई), जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), पीएम-किसान, जनधन खाता, बीमा कवरेज (पीएमजेजेबीवाई/पीएमएसबीवाई), सामाजिक सुरक्षा (वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन), रोजगार और आजीविका योजनाए (एमजीएनआरईजीए, पीएम विश्वकर्मा योजना, मुद्रा ऋण) महिला एवं बाल कल्याण (पीएमएमव्हीवाय, आईसीडीएस के योजनाओं का लाभ, टीकाकरण) जैसी विभिन्न योजनाओं के लाभ प्रदान करने हेतु स्टॉल लगाया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

18 जून को ग्राम पूछेली, गाड़ापाली, छीतापाली में होगा शिविर का आयोजन- 18 जून को बम्हनीडीह विकासखंड के ग्राम पूछेली, खपरीडीह के लिए दुर्गा चौक आंगनबाड़ी के पास पुछेली में और नवागढ़ विकासखंड के ग्राम गाड़ापाली के माता चौरा चौक गाड़ापाली में, बलौदा विकासखंड के ग्राम छीतापाली के रंगमंच गांधी चौक के पास में शिविर का आयोजन किया जायेगा।

शिक्षा से ही समाज की दशा और दिशा तय होती है - नेहा बाबा वर्मा

पाटन (समय दर्शन)। आज पीएम श्री विद्यालय अखरा में प्रवेश उत्सव बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित अतिथियों द्वारा स्कूल प्रांगण में स्थापित माता सरस्वती की प्रतिमा का पूजा अर्चना कर किया गया।इस अवसर पर नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं को पुस्तक एवं गणवेश वितरण कर मुंह मीठा कर बधाई और शुभकामनाएं उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं पालको द्वारा दिया गया। तत्पश्चात आए हुए अतिथियों एवं शिक्षक गणों ने अपनी-अपने विचार बच्चों के साथ साझा किया और अपने अनुभवों को बच्चों को बताए इसी तारतम्य मे वार्ड क्रमांक 04नगर पंचायत पाटन की पार्षद एवं सभापति श्रीमती नेहा बाबा वर्मा ने कहा की शिक्षा से ही समाज की दिशा और दशा तय होती है,शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होती, यह जीवन को सही दिशा देने वाली वह शक्ति है जो मानव को अंधकार से उजाले की ओर ले जाती है।शिक्षा विद् श्री सीताराम देवांगन जी द्वारा बच्चों के पालकों को पढ़ाई में विशेष ध्यान देने हेतू आग्रह किया गया संस्था प्रमुख श्री गोपेन्द्र साहू जी द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतू शिक्षा बहुत जरूरी है इस हेतू पालकों को भी ध्यान देने कहा गया पीएम श्री प्रधान पाठक द्वारा विद्यालय की संपूर्ण गतिविधियों और सुविधाओं के विषय में सारगर्भित ढंग से पालकों को बताया भाजपा नेता बाबा वर्मा ने नवप्रवेशी बच्चो को उज्जवल के लिए बधाई शुभकामनायें देते हुए नगर मे पीएम श्री स्कूल का सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंन्द्र मोदी जी का भी आभार व्यक्त किया। मंचीय कार्यक्रम के उपरांत आज भारत सरकार द्वारा आयोजित एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम तहत के विद्यालय में अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया उसके उपरांत आज बच्चों को स्वादिष्ट नेवता भोज पार्षद श्रीमती नेहा बाबा वर्मा जी द्वारा एवं एसएमसी सदस्य गंगा निषाद द्वारा कराया गया। कार्यक्रम में श्री योगेश्वर वर्मा जी सुशील कश्यप जी चंद्रशेखर छेदय्या जी गंगा राम निषाद जी रामनाथ साहू जी नेहा चक्रधारी जी गावास्कर देवांगन धर्मेंद्र देवांगन मीना देवांगन,मुक्ता मिथलेश रेखा ठाकुर मधु ठाकुर सहित विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

स्कूल बसों में ओव्हरलोडिंग और मालवाहकों में यात्रियों के परिवहन पर होगी कार्रवाई

राजस्व प्रकरणों में प्रतिवेदन लंबित रखने वाले आरआई-पटवारियों पर भी सख्ती

कलेक्टर श्री मिश्रा ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में दिए निर्देश

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। /जिले में चल रही स्कूल बसों में बच्चों को क्षमता से अधिक बैठाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही मालवाहकों में लोगों को भरकर लाने-ले जाने पर भी प्रशासन ने सख्त कार्रवाई का मन बना लिया है। ऐसे सभी मामलों में परिवहन अधिकारी, एसडीएम और पुलिस विभाग को कड़ी कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने दिए हैं। समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में आज पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार की मौजूदगी में कलेक्टर ने यह निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने जांच करने वाली टीमों से स्कूल बसों के ड्राईवरों द्वारा किसी भी प्रकार का नशा आदि कर वाहन नहीं चलाना सुनिश्चित करने को भी कहा। उन्होंने स्कूल बसों में सुरक्षा के सभी मापदण्डों का पालन करने और स्कूल बसों में कम से कम एक महिला अटेंडेंट भी रखने के निर्देश दिए। समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में आज सभी विभागों के कामकाज की समीक्षा हुई। बैठक में जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती रोमा श्रीवास्तव सहित अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्रीमती इंदिरा देवहारी और सभी एसडीएम भी शामिल हुए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री परिहार ने तीन नये कानूनों को लागू करने के लिए जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, बैकों, जनपद पंचायतों और जिला पंचायत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा को एक्टिव रखने के निर्देश दिए। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के लिए कार्यालय में किसी योग्य कम्प्यूटर ऑपरेटर या तकनीशियन को समन्वयक नियुक्त करने को भी कहा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की प्रक्रिया का निर्बाध रूप से संचालन किया जा सके। उन्होंने विभिन्न प्रकरणों में ई-चालान पेश करने की कार्रवाई 60 से 90 दिनों के भीतर पूरी करने को कहा। पुलिस अधीक्षक ने जिला अभियोजन अधिकारियों को भी प्रकरणों को दो पेशियां में ही निराकृत करने को कहा। यदि ऐसा संभव न हो तो पेशी बढ़ाने के समय लिखित आपत्ति भी दर्ज कराने के निर्देश बैठक में दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न प्रकरणों में मेडिकल रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, विभागों से जानकारी आदि दस्तावेजों को निर्धारित समय में पुलिस प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश भी सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को दिए, ताकि प्रकरणों को निर्धारित सीमा में तेजी से निराकृत किया जा सके। कलेक्टर श्री मिश्रा ने धमतरी से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों, राजकीय राजमार्गों और प्रमुख सड़कों का सर्वे कर सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले स्थानों की पहचान करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। इस दौरान सड़कों के किनारे लगे पेड़ों की छंटाई, बिजली खभे से संभावित दुर्घटना, बिजली के तार हटाने जैसे कामों को भी सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने धमतरी रेल्वे स्टेशन के परिसर में अतिक्रमण हटाने और लोगों को सुरक्षित जगहों पर विस्थापित करने की कार्रवाई की भी समीक्षा की। उन्होंने इसके लिए नगर निगम आयुक्त तथा धमतरी एसडीएम को कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। श्री मिश्रा ने धमतरी और कुरूद रेल्वे स्टेशनों के दूसरे तरफ सामान ढुलाई और लोडिंग आदि की व्यवस्था के लिए तीन से चार एकड़ शासकीय भूमि का चिन्हांकन करने को भी कहा। बैठक में कलेक्टर ने लंबित राजस्व प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन जैसे प्रकरणों में संबंधित पटवारी या राजस्व निरीक्षक द्वारा समय सीमा में प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने के कारण राजस्व प्रकरणों के लंबित रहने पर नाराजगी जताई। कलेक्टर ने ऐसे सभी प्रकरणों पर जल्द से जल्द प्रतिवेदन बनाने के निर्देश तहसीलदार और अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि तहसीलदार एवं एसडीएम अपने-अपने कार्यक्षेत्र में मार्च एवं अप्रैल महीने में दर्ज प्रकरणों पर अगले एक सप्ताह में आवश्यकतानुसार आरआई-पटवारियों के प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रकरणों का निराकरण करें। कलेक्टर ने प्रतिवेदन देने में बेवजह देरी करने वाले आरआई-पटवारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने के भी निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए।

सुबह सुबह टहलने निकले बुजुर्ग को ट्रक ने चपेट में लिया, पैर टूटा, गंभीर हालात में अस्पताल में दाखिल, ग्रामीणों ने पत्थर से ट्रक का कांच तोड़ा, ड्राइवर की जमकर पिटाई

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। पाटन दुर्ग मार्ग पर गोडपेंडरी के पास सुबह सुबह करीब 6 बजे एक ट्रक ने टहलने निकले बुजुर्ग को अपनी चपेट में ले लिए। इससे बुजुर्ग का पैर टूट गया और उसे गंभीर रूप से घायल अवस्था में दुर्ग ले जाया गया , परिजनों ने बताया कि रिफर कर दिया जिसे रायपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। मौके पर काफी समय तक भीड़ अभी भी जुटी हुई थी। ग्रामीणों ने गाड़ी पर पथराव भी किया। जिससे कि गाड़ी का सामने का कांच टूट गया। ग्रामीणों ने ड्राइवर को पिटाई भी कर दी है जिससे कि उसे भी अस्पताल में दाखिल कराया गया। मौके पर पुलिस और नायब तहसीलदार मनोज रस्तोगी ने पहुंचकर मामला संभाला। गाड़ी मालिक तत्काल आनलाइन के माध्यम से एक लाख रुपए इलाज के लिए परिजन को दिए। वही आप पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

पाटन ब्लॉक के ग्राम गोडपेंडरी में आज सुबह-सुबह ट्रक की चपेट में आने से एक बुजुर्ग सुखचंद निषाद बुरी तरीका से गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रक क्रमांक सीजी 10 बी टी 8146 फ्लाई ऐश लेकर के सिक्स लेन रोड बन रहा है वहां पर खाली करने जा रहा था। वही बुजुर्ग सुबह-सुबह गांव में टहलने के लिए निकला था इसी दौरान ट्रक की चपेट में आ गए। ट्रक के मालिक को मौके पर बुलाने की बात पर ग्रामीण करीब चार घंटे तक सड़क पर ही खड़े हुए थे। ग्रामीणों का आक्रोश देखते हुए उतई थाना और पाटन थाना के टी आई सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पाटन एसडीओपी अनूप लकड़ा भी तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया । नायब तहसीलदार मनोज रस्तोगी जब मौके पर पहुंचे उसके बाद परिजनों से चर्चा शुरू हुई। परिजनों ने पीड़ित का इलाज और उनके जीवन यापनबके लिए मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक ट्रक मालिक द्वारा तत्काल एक लाख रुपए आनलाइन के माध्यम से दिया गया। जिसके बाद निजी अस्पताल में इलाज शुरू हुआ। वही अब परिजन उतई थाना में रिपोर्ट लिखवाए है जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जा रही हैं।

बार बार बिगड़ता रहा मामला- जब सड़क दुर्घटना हुई तब आक्रोशित युवाओं ने ट्रक ड्राइवर की पिटाई कर दी। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। वही ट्रक के क्लीनर को ग्रामीणों ने बिठाकर रखे थे । वही ट्रक का चाबी भी पीड़ित बुजुर्ग के परिजन ने रख लिया था। पहले पाटन थाना प्रभारी अनिल साहू पहुंचे। इसके बाद उतई थाना प्रभारी शिव चंद्रा पहुंचे। तब तक पुलिस काफी संख्या में पहुंच गई थी। कई बार परिजन और पुलिस प्रशासन के मध्य चर्चा हुई लेकिन हर बार विफ्ल रही। गाड़ी मालिक को मौके पर बुलाने मांग पर परिजन और ग्रामीण अड़े रहे। इसके बाद नायब तहसीलदार मनोज रस्तोगी ने गाड़ी मालिक से बात किया। परिजनों को समझाया कि जो उचित मुआवजा होगा उसे जरूर दिखाया जाएगा। वही सरकारी मदद का जो प्रावधान है उसके तहत भी पीड़ित को लाभ दिलाया जाएगा। इसके बाद मामला शांत हुआ। चर्चा के बाद एक बार फिर माहौल खराब होते देख पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। इसके बाद ही ट्रक को मौके से निकालकर थाना के जाया गया।

खबर-खास

योग शिविर के प्रथम दिन को हरित योग के रूप में मनाया

दुर्ग/समय दर्शन। संचालनालय आयुष छ.ग. के निर्देशानुसार एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्रवंशी के मार्गदर्शन में दुर्ग जिले के समस्त आयुष संस्थानों द्वारा पांच दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर के प्रथम दिन को हरित योग के रूप में मनाया गया, जिसका शुभारंभ जनप्रतिनिधियों के द्वारा पुजा अर्चना कर किया गया। जिसमें औषधी पौधों का वितरण एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इसी कड़ी में शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय दुर्ग द्वारा पांच दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर के प्रथम दिवस में नि:शुल्क योग का शुभारंभ करते हुए औषधीं पौधों का वितरण, शीत सुधा का वितरण, पाम्पलेट्स वितरण किया गया एवं जनप्रतिनिधि द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

आवास प्लस 2024 सर्वे की समय-सीमा 26 जून तक बढ़ी, छूटे हितग्राहियों को मिलेगा एक और अवसर

दुर्ग/समय दर्शन। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र ग्रामीण परिवारों की पहचान हेतु चल रहे आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण की समय-सीमा को 26 जून 2024 तक बढ़ा दिया गया है। अब ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे पात्र हितग्राही, जो किसी कारणवश पहले छूट गए थे, उन्हें मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से फिर से शामिल करने का अवसर मिलेगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री बजरंग कुमार दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में मोर द्वार साय सरकार अभियान के तहत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण की कार्यवाही सक्रिय रूप से की जा रही है। अब तक (दिनांक 17 जून 2025 तक) जिला दुर्ग में कुल 94,787 हितग्राहियों का सर्वेक्षण किया जा चुका है। इनमें से 80,673 हितग्राही सहायता प्राप्त सर्वे के माध्यम से तथा 14,114 हितग्राही स्वयं के द्वारा मोबाइल एप के जरिए पंजीकृत हुए हैं।

सखी वन स्टॉप सेंटर में सेवा प्रदाताओं के रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु वॉक इन इन्टरव्यू 19 जून को

दुर्ग/समय दर्शन। संचालक, संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति के दिशा-निर्देश अनुरूप सखी वन स्टॉप सेन्टर में सेवाप्रदाताओं के रिक्त पदों की पदपूर्ति हेतु योग्यताधारी आवेदकों का वॉक इन इन्टरव्यू 18 जून 2025 को रखा गया था जो कि अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। सखी वन स्टॉप सेन्टर के सेवा प्रदाताओं के रिक्त पदों के पदपूर्ति हेतु 19 जून 2025 को कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग पांच बिल्डिंग परिसर दुर्ग में किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री आर.के. जाम्बुलकर से मिली जानकारी अनुसार अनुमानित कार्य योजना के आधार पर दावा आपत्ति हेतु सूची का प्रकाशन प्रात: 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक, दावा आपत्ति प्राप्त करना दोपहर 12 बजे से दोपहर 01 बजे तक, प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण दोपहर 02 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक और साक्षात्कार दोपहर 03 बजे से संध्या 05 बजे तक निर्धारित की गई है।

भारत सरकार के प्रभारी अधिकारी ने की पीएम जनमन योजना की समीक्षा, जताई संतुष्टि

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/धरती आबा अभियान के लिए भारत सरकार से नियुक्त छत्तीसगढ़ के प्रभारी अधिकारी श्री हृदयेश कुमार ने आज केरेगांव में पीएम जनमन योजना के तहत अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा से इस संबंध में चल रहे कामों की जानकारी ली, तो सीईओ जिला पंचायत श्रीमती रोमा श्रीवास्तव से अब तक की प्रगति के बारे में पूछा। श्री कुमार ने दोनों अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी पर संतुष्टि जताई। उन्होंने पीएम जनमन योजना के तहत लक्षित सभी कमार परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति पर प्रसन्नता जाहिर की और जिला प्रशासन को बधाई दी। श्री कुमार ने विशेष पिछड़ी जनजाति कमार बसाहटों के लिए सड़कों, पेयजल आपूर्ति, विभिन्न दस्तावेज बनाने जैसे विषयों पर भी अधिकारियों से जानकारी ली। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति कमारों की बस्तियों तक पक्की सड़कें बनाने के लिए दो चरणों में 36 सड़कों की स्वीकृति मिली है। इसमें से 7 सड़कों का निर्माण पूरा हो गया है और 29 सड़कें निर्माणाधीन हैं। कलेक्टर ने बताया कि पहले चरण में 29 कि.मी. लम्बाई की 10 सड़कों के लिए 15.84 करोड़ रूपये की मंजूरी मिली है।

रेत माफिया और सरकार की गठजोड़ पर खामोश प्रशासन, पत्रकार बन रहे निशाना

खनिज नीति विफल, रेत माफिया बेलगाम

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की धरती पर विकास की धारा तो बह रही है, लेकिन इसी धारा में बह रही है सच्चाई, ईमानदारी और जवाबदेही। प्रदेश की भाजपा सरकार, विशेषकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में, बीते दो वर्षों से रेत नीति का केवल खाका ही खींचती रह गई। नई खनिज नीति की घोषणाएं तो हुईं, लेकिन वह फाइलों से निकलकर कभी ज़मीनी हकीकत नहीं बन पाईं।

इस लचर रवैये का खामियाजा आज प्रदेश के ग्रामीणों, निर्माणकर्ताओं और सबसे ज्यादा सच दिखाने वाले पत्रकारों को भुगतना पड़ रहा है। जहां एक ओर सरकार और प्रशासन आंखें मूंदे बैठे हैं, वहीं दूसरी ओर रेत माफिया खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं — कभी ग्रामीणों से भिड़ंत, तो कभी पत्रकारों पर जानलेवा हमले।

पत्रकारों पर बढ़ते हमले: सच्चाई की कीमत- हाल ही में गरियाबंद ज़िले में रेत के अवैध खनन की खबर प्रकाशित करने वाले एक पत्रकार पर हमला हुआ। इससे पहले खनिज अधिकारियों पर हुए हमले में मुख्यमंत्री के रिश्तेदार का नाम तक सामने आया था। लेकिन नतीजा वही — मामला दबा, आरोपियों को संरक्षण मिला, और अब पत्रकार निशाने पर हैं।

खनिज विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी- राज्य सरकार की लापरवाही यहीं खत्म नहीं होती। जिन विभागों से करोड़ों का राजस्व आ सकता था, वे संसाधनों के अभाव में जूझ रहे हैं। गरियाबंद जिले की बात करें तो रेत घाटों की निगरानी के लिए केवल चार कर्मचारी, जिनके पास ना वाहन है, ना ही पर्याप्त साधन। 70 किमी की परिधि में फैले रेत घाटों पर ऐसे में निगरानी कैसे संभव है?

खनिज न्यास की राशि और जनता का हक़ खतरे में- रेत से मिलने वाली खनिज न्यास निधि से कई जनसेवाएं — स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य — आश्रित होती हैं। लेकिन इस राशि पर माफिया और सत्ताधारी नेताओं के गुर्गों की नजर है। मलाईदार घाटों पर कब्जा जमाकर उन्होंने इस व्यवस्था को ही अपने फायदे का औजार बना लिया है।

विकास की बुनियाद में दरार- बिना पारदर्शी नीति के रेत का अवैध खनन न केवल राज्य की आय को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि लोगों की जिंदगी, खेत-खलिहान, सड़कें और पर्यावरण भी इसकी चपेट में हैं। आम जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है और शासन-प्रशासन का मौन इस ठगी को और बड़ा बना रहा है।

अब सवाल यह है — क्या सरकार कभी रेत नीति को टेबल से पटल तक लाने का साहस दिखाएगी?

क्या पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी?

क्या प्रदेश की जनता को उनका हक मिलेगा या रेत माफिया ही विकास की नई परिभाषा लिखेंगे?

समाप्ति पर एक सवाल : अगर सच्चाई दिखाना अपराध है, तो क्या लोकतंत्र अब डर के साए में सांस ले रहा है?

स्कूली वाहनों की जांच में तीन वाहन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया

कवर्धा (समय दर्शन)। पूरे राज्य के साथ जिले में भी 16 जून से स्कूल का नया सत्र शुरू हो गया है। सत्र के पहले ही दिन स्कूल बसों की चेकिंग की गई, जिसमें 3 बसें निर्धारित मापदंड के अनुसार अनफिट पाया गया है, जिसे स्कूली बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर लापरवाही मानते हुए इन बसों का संचालन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है।

पीजी कॉलेज मैदान कवर्धा में 14 एवं 17 जून को 110 स्कूल वाहनों की जांच की गई, जिसमें 3 वाहन अनफिट मिला। वाहनों की जांच में परिवहन विभाग, यातायात पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने सहभागिता दी। इस दौरान स्कूली वाहनों की तकनीकी और दस्तावेजी जांच की गई और वाहन चालकों का नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बच्चों के जीवन की जिम्मेदारी उठा रहे चालक पूरी तरह सक्षम एवं सजग रहें। जिला परिवहन अधिकारी मोहन साहू ने बताया कि परिवहन में सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन हेतु जिला में स्कूली वाहनों की व्यापक जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान छत्तीसगढ़ मोटर यान नियम 1994 के नियम 76 (ख) के तहत परमिट शर्तों,

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों तथा सुरक्षा मापदंडों के अनुरूप संचालित किया गया। यह संयुक्त जांच शिविर कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। श्री मोहन साहू ने बताया कि अब तक कुल 110 स्कूल बसों की जांच की जा चुकी है। जांच के दौरान कुछ वाहनों में दस्तावेजों की कमी, फिटनेस में गड़बड़ी एवं अन्य तकनीकी खामियां पाई गईं, जिन्हें वाहन स्वामियों को अवगत कराते हुए शीघ्र सुधार कर दोबारा जांच के निर्देश दिए गए हैं।

अनुपस्थित स्कूल वाहनों की जांच 20 को अनिवार्य- जिला परिवहन अधिकारी श्री साहू ने बताया कि जो स्कूल वाहन इस संयुक्त जांच में अनुपस्थित रहे हैं, उन्हें 20 जून 2025 को पुन: निर्धारित तिथि पर जांच हेतु उपस्थित होने के लिए कहा गया है। उन्होने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर अनिवार्य जांच नहीं कराई गई, तो संबंधित वाहन मालिकों एवं संस्थानों के विरुद्ध मोटर यान अधिनियम के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग द्वारा सभी शैक्षणिक संस्थानों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे अपने वाहनों को सभी सुरक्षा मानकों के अनुरूप संचालित करें एवं बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कोई भी स्कूल वाहन पूरी जांच के बिना संचालित न हो, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गुरुकुल द्वारा आयोजित एडवेंचर समर कैंप आयोजित

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा ने सदा ही अपने सामाजिक सरोकारों को प्रमुखता दी है। इसी को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए रोमांचक ग्रीष्मकालीन कैंप का आयोजन 8 जून से 14 जून तक किया गया। कैंप के अंतिम दिवस समापन समारोह पूर्ण भव्यता के साथ हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि विनय केशरवानी, विशिष्ट अतिथि महावीर जैन थे। सम्मानित अतिथि की आसंदी में नेहा बोथरा शोभायमान थी। प्रभारी प्राचार्य ने सबका हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कैंप के उद्देश्य को रेखांकित किया। इस सात दिवसीय समर कैंप में विद्यार्थियों के शैक्षिक, नैतिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास से संबंधित रोमांच (एडवेंचर) से संबंधित गतिविधियों (वॉल क्लाईबिंग रोप लाइनिंग, कमांडो नेट), आर्ट एंड क्राफ्ट (पेपर पेंटिंग स्टोन पेंटिंग, चित्रकला मूर्ति कला, मेहंदी, टैटू) व्यक्तित्व विकास (आपसी व्यवहार प्रभावी संवाद शैली शारीरिक मुद्रा) शैक्षिक गतिविधि (स्मृति परीक्षा, नाटक एकांकी स्टोरी टेलिंग, वैदिक गणित, एबाकस भाषा शिक्षण तथा कैलीग्राफी) क्रीड़ा से संबंधित (बैडमिंटन टेबल टेनिस, शतरंज स्विमिंग पूल पार्टी) तथा मनोरंजन के साथ शिक्षण जनित (बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, श्री डी शो) आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन क्रियात्मक गतिविधियों को कुशल शिक्षक-शिक्षिकाओं के द्वारा सिखाया गया।

समारोह में अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा को निखारने के इस आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना की। पालकों ने भी इस आयोजन से अपने बच्चों में आए बदलाव के विषय में बतलाया। कैंप का आयोजन गुरुकुल पब्लिक स्कूल के परिसर में प्रात: 8.00 बजे से मध्याह्न 12.00 बजे तक किया गया। इस सात दिवसीय समर कैंप में विद्यार्थियों ने जो कुछ सीखा, उसकी मंचीय- प्रस्तुति देकर स्वयं को साबित किया एवं दर्शकों की वाहवाही बटोरी। नृत्य गीत, वादन- गायन एवं सोशल मीडिया की जिम्मेदारी पूर्वक उपयोग पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कैंप में 400 छात्रों ने प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया- इस अवसर पर बच्चों के द्वारा बनाए गए विभिन्न कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इसमें करीब 400 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान : केरेगांव संतृप्तिकरण शिविर में दिल्ली से पहुंचे ट्राईफेड के एमडी कुमार

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। /भारत सरकार के ट्रायबल कोपरेटिव मार्केटिंग डेव्हलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (ट्राईफेड) के प्रबंध संचालक श्री हृदयेश कुमार आज सुबह नगरी विकासखण्ड के केरेगांव पहुंचे। श्री कुमार केरेगांव में आयोजित धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के संतृप्तिकरण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने शिविर में उपस्थित जनजातीय समुदाय के लोगों और हितग्राहियों से आत्मिक चर्चा की। श्री कुमार ने शिविर में मौजूद लोगों से उनके गांवों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। लोगों से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, रोजगार, पढ़ाई-लिखाई, स्वास्थ्य आदि सुविधाओं के बारे में पूछा। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा की मौजूदगी में ट्राईफेड के प्रबंध संचालक ने शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉलों का भी अवलोकन किया। पूरे भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने उन्हें जिले में जनजातीय विकास और नगरी-मगरलोड क्षेत्र में जनजातीय समुदाय के लिए मौजूद रोजगार के संसाधनों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। केरेगांव शिविर में पहुंचने पर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा और सीईओ श्रीमती रोमा श्रीवास्तव ने श्री हृदयेश कुमार का स्वागत बांस के बने फूलों से किया। मांदर की थाप पर स्थानीय लोगों और बच्चों ने रंगबिरंगी पोशाक में नाच-गाकर प्रभारी अधिकारी का स्वागत किया। श्री हृदयेश कुमार ने शिविर स्थल पर सेल्फी पॉईंट में फोटो भी खिंचवाई और नर्तक दल के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात भी की। इस दौरान वनमण्डलाधिकारी श्रीकृष्ण जाधव, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री विमल साहू सहित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नगरी की जड़ी-बूटियों से प्रभावित हुए श्री कुमार, व्यवसाय के लिए योजना बनाने दिए टिप्स- धरती आबा संतृप्तिकरण शिविर में श्री हृदयेश कुमार ने स्थानीय वैद्यों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित वैद्यों से क्षेत्र में मिलने वाली जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों की जानकारी ली। वैद्यों ने नगरी-मगरलोड के वनांचलों में मौजूद कई जड़ी-बूटियों के बारे में श्री कुमार को बताया और इनके संकलन तथा प्रोसेसिंग के लिए सहायता करने की मांग की।

कुपोषण से सुपोषण की ओर: यक्ष को मिला नया जीवन

दुर्ग/समय दर्शन। जिले की 77 पंचायतों को कुपोषण से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। जब ग्राम पंचायत करेला को कुपोषण मुक्त पंचायत के रूप में चयनित किया गया, उस समय आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-1 में पंजीकृत बालक यक्ष का वजन मात्र 9.800 किलोग्राम था। उसकी स्थिति मध्यम कुपोषण की श्रेणी में आ रही थी। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर में यक्ष का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। यक्ष के माता-पिता, मेघा और फ्नेश्वर बंछोर को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती दुर्गेश्वरी वर्मा ने समझाया कि यदि समय रहते खान-पान और स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यक्ष की स्थिति गंभीर कुपोषण में जा सकती है। माता ने बताया कि यक्ष घर का खाना नहीं खाता और केवल बाजार के पैकेट वाले खाद्य पदार्थों पर अधिक निर्भर है।

पर्यवेक्षक श्रीमती ममता साहू और कार्यकर्ता ने संयुक्त रूप से गृहभेंट कर परिवार को पोषण के प्रति जागरूक किया। उन्हें बताया गया कि घर का बना पोषक भोजन, अंकुरित अनाज, और रेडी-टू-ईट खाद्य पदार्थों का समुचित उपयोग करना चाहिए, जबकि पैकेट वाली चीजों से बचना आवश्यक है। ग्राम सरपंच डॉ. राजेश बंछोर ने भी इस पहल में सहयोग करते हुए पोषण खजाना योजना के तहत फूटा चना, मूंग, मूंगफली, गुड़ आदि उपलब्ध कराया, जिससे यक्ष को पर्याप्त पोषण मिल सका। यक्ष को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र भेजा जाने लगा, जहां वह अन्य बच्चों के साथ भोजन करने में रुचि लेने लगा। घर में सुबह अंकुरित अनाज और विभिन्न रेडी-टू-ईट व्यंजन दिए जाने लगे। इन समेकित प्रयासों का परिणाम यह हुआ कि अब यक्ष पूरी तरह सुपोषित हो गया है। वर्तमान में यक्ष का वजन 11.500 किलोग्राम और ऊंचाई 89 सेंटीमीटर है। वह अब सामान्य श्रेणी में आ गया है और पूरी तरह स्वस्थ है। परिवार के सदस्य इस सकारात्मक बदलाव से बेहद खुश हैं और शासन की योजनाओं तथा आंगनबाड़ी केंद्र की सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं।

कम पेट्रोल मिलने की शिकायत का न्यूज कवरेज करने गए पत्रकार को पुलिस का नोटिस, पत्रकारों में आक्रोश

नोटिस का जवाब देना जरूरी नहीं

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले में एक पेट्रोलपंप में निर्धारित मात्रा से कम पेट्रोल मिलने की शिकायत के बाद कवरेज के लिए पहुंचे कवर्धा जिले के पत्रकार उत्तम चंद्रवंशी को पुलिस द्वारा भेजे गए नोटिस के खिलाफ पत्रकारों में जमकर आक्रोश पनप रहा है। यह आक्रोश जिले की सीमाएं तोड़कर पूरे प्रदेश के पत्रकारों के मन में न्यूज कवरेज न करने के लिए दबाव बनाते हुए प्रेस पर हमला करार दिया है। वहीं कवर्धा रेस्ट हाउस में पत्रकारों की एक महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से इस पुलिसिया कार्रवाई की निंदा की गई और एक प्रस्ताव पारित कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

बैठक के बाद जिले भर से आए आक्रोशित पत्रकार कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। वहीं पेट्रोल पंप संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। पत्रकारों ने जिले के सभी पेट्रोल पंप में दी जाने वाली पेट्रोल की

शुद्धता, मापतौल, बुनियादी सुविधाएं और ब्रांडिंग की जांच करने की भी मांग की है।

प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला- बैठक में मौजूद पत्रकारों ने एक स्वर में कहा कि ये पूरा मामला प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला है और इसका कड़ा विरोध जरूरी है। सभी पत्रकार संगठनों से इस मामले में एकजुट होकर आवाज़ उठाने की अपील की गई है।

जी श्याम फ्यूल पेट्रोल पंप पर एक स्टिंग ऑपरेशन का मामला- पत्रकार उत्तम चंद्रवंशी ने कुछ दिन पहले बिलासपुर रोड स्थित जी श्याम फ्यूल पेट्रोल पंप पर एक स्टिंग ऑपरेशन किया था। इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि ग्राहकों को एक लीटर पेट्रोल की जगह कम मात्रा में पेट्रोल दी जा रही है। मौके पर मापने के लिए पेट्रोल पंप संचालक द्वारा रखा गया जार भी वीडियो में दिखाया गया, जो सोशल मीडिया में तेज़ी से वायरल हुआ।

नाप तौल विभाग ने क्लीन चिट दे दी- इस खुलासे के बाद नापतौल विभाग ने जांच तो की, लेकिन पेट्रोल पंप संचालक को क्लीन चिट दे दी। इसके बाद पेट्रोल पंप संचालकों ने एसपी कार्यालय में पत्रकार और अन्य मीडिया संस्थानों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कई झूठे आरोप भी लगाए गए। इस पर पुलिस ने पत्रकार उत्तम चंद्रवंशी को पूछताछ के लिए नोटिस भेज दिया, जिससे न केवल कवर्धा बल्कि पूरे प्रदेश में पत्रकार समाज में रोष व्याप्त है।

पत्रकारिता की स्वतंत्रता बनाए रखने प्रमुख मांगें- पत्रकारों के खिलाफ झूठी शिकायतें न ली जाएं।

0 संबंधित पेट्रोल पंप के खिलाफ फिर से निष्पक्ष जांच हो।

0 जिले व प्रदेश के सभी पेट्रोल पंपों की मशीन, मापदंड और ग्राहक सुविधा की जांच समय समय पर नियमित रूप से औपचारिकता से हटकर किए जाएं।

0 पत्रकारों को डराने-धमकाने की कोशिशों पर रोक लगे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.)
पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27

तेंदूपत्ता

वनांचल में समृद्धि का पर्याय

₹5,500 प्रति मानक बोरा संग्रहण पारिश्रमिक

52 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक लाभान्वित

Samwad : 44166/1

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर